राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 30
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 30 दिसंबर 2025
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 पत्नी की हत्या कर पति ने जान दी
पेज 4 युवक की हत्या कर न्यूड लाश फेंकी
पेज 6 मंधाना ने 10,000 रन पूरे कर मिताली का रिकार्ड तोड़ा

संक्षिप्त खबरें

चेन्नई एयरपोर्ट पर फिसलकर गिरे एक्टर विजय थलापति

चेन्नई। चेन्नई एयरपोर्ट पर रविवार रात एक्टर और तमिलगा वेट्री कज़गम के प्रेसिडेंट थलापति विजय कार की तरफ जाते हुए फिसलकर गिर पड़े। मलेशिया से लौटने पर बड़ी संख्या में फैंस ने उन्हें घेर एयरपोर्ट पर ही घेर लिया था, जिससे यह हादसा हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उन्हें उठाया और कार में बिठाया। विजय को कोई चोट नहीं आई, लेकिन वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विजय मलेशिया अपनी आखिरी फिल्म जननायकन के ऑडियो लॉन्च में गए थे। 27 दिसंबर को विजय ने कुआलालंपुर के बुकिट जलील स्टेडियम में एक विशाल सभा को संबोधित किया था।

बहन के साथ मिलकर शख्स ने पत्नी की हत्या की

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में पुलिस ने महिला की हत्या के आरोप में महिला के पति और ननद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि दहेज में मिला सामान और गिफ्ट वापस मांगने के कारण कल्पना सोनी (35) की हत्या की गई थी। पुलिस के मुताबिक 2015 में कल्पना की शादी महेश सोनी (38) से हुई थी। 27 दिसंबर को उसका पति और ससुराल वालों से झगड़ हुआ था। इसी दौरान पति महेश और ननद दीपाली सोनी ने कल्पना के सिर पर हथियार से हमला किया। कल्पना गंभीर घायल हो गई। पड़ोसी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने कल्पना को मृत घोषित कर दिया।

उन्नाव रेप केस : कुलदीप सेंगर की जमानत पर रोक

सीजेआई बोले- जज से भी गलती हो सकती है; पीड़ित रोई, कहा- फांसी दिलाऊंगी

उन्नाव। उन्नाव रेप केस में रेपिस्ट पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट ने सेंगर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा। मामले में 4 हफ्ते बाद सुनवाई होगी। सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को जमानत दी थी।

जमानत के खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में 3 दिन पहले याचिका लगाई थी। सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में सुनवाई हुई। बेंच ने दोनों पक्षों की करीब 40 मिनट तक दलीलें सुनीं।

उन्नाव बलात्कार मामले की पीड़िता नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट से बाहर निकलती हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है।

सीबीआई ने कहा- हाईकोर्ट के जिन जजों ने सजा सस्पेंड की, वे बेहतरीन जजों में गिने जाते हैं, लेकिन गलती किसी से भी हो सकती है।

पीड़ित फूट-फूटकर रोई

इधर, सुप्रीम कोर्ट का आदेश सुनते ही पीड़ित फूट-फूटकर रोने लगी। एक्टिविस्ट योगिता भैयाना और अन्य महिलाओं ने उसे संभाला। इसके बाद पीड़ित ने कहा- मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा। मैं इस लड़ाई को जारी रखूंगी। उसे फांसी की सजा दिलाऊंगी, तब जाकर हमारे परिवार को इंसाफ मिलेगा।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा

कोर्ट को लगता है कि मामले में अहम सवालों पर विस्तार से विचार जरूरी है। आमतौर पर कोर्ट का सिद्धांत है कि किसी दोषी या विचाराधीन कैदी को रिहा कर दिया गया हो, तो बिना उसे सुने ऐसे आदेशों पर रोक नहीं लगाई जाती, लेकिन इस मामले में परिस्थितियां अलग हैं क्योंकि आरोपी दूसरे मामले में पहले से दोषी ठहराया जा चुका है। ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश पर रोक लगाई जाती है। इससे पहले, कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- ये भयावह मामला है। धारा-376 और पॉक्सो के तहत आरोप तय हुए थे। ऐसे मामलों में न्यूनतम सजा 20 साल की कैद हो सकती है, जो पूरी उम्र की जेल तक बढ़ाई जा सकती है।

अरावली केस; सुप्रीम कोर्ट का अपने ऑर्डर पर स्टे

पहले 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन को मंजूरी दी थी, अब रोक लगाई

जयपुर। अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी है। 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे, अब 21 जनवरी 2026 तक खनन पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी। कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा है। सोमवार मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एजी मसीह की वेकेशन बेंच ने अरावली केस की सुनवाई की। सीजेआई सूर्यकांत ने निर्देश दिया है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें और उन पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई आगे की टिप्पणियां फिलहाल स्थगित रहेंगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया जाएगा। इन सिफारिशों में से एक में कहा गया है कि 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली पर्वतमाला माना जाए।

मुंबई के भांडुप में बस ने 13 लोगों को कुचला

4 लोगों की मौत, 9 घायल

मुंबई। मुंबई के भांडुप में स्टेशन रोड पर सोमवार देर रात एक बस ने 13 पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसे में 3 महिला सहित 4 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

मुंबई पुलिस ने बताया कि हादसा रात 9: 35 बजे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट की बस से हुआ।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, बेस्ट की बस रिवर्स लेते समय बेकाबू हो गई और सड़क पर चल रहे लोगों को चपेट में ले लिया।

हादसे के बाद बस चालक को हिरासत में ले लिया गया है। घटना के बाद एम्बुलेंस, मुंबई फायर ब्रिगेड और बेस्ट की टीम मौके पर पहुंची।

पीड़ितों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से राजावाड़ी और एम.टी. अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई।

मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बस ने एक बिजली के खंभे को भी टक्कर मारी, जिसे वह गिर गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बस चालक के खिलाफ एफआईआर की तैयारी

डीसीपी हेमराज सिंह राजपूत ने बताया कि बस चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। बस की मैकेनिकल और तकनीकी जांच कराई जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी।

हादसे में शामिल मध्यम साइज की बस 'वेट लीज' मॉडल पर ऑलेक्ट्रा ग्रीनटेक से ली गई थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के समय बेस्ट का ही चालक बस चला रहा था। हादसे के एक घंटे बाद तक बेस्ट के किसी अधिकारी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

पुतला दहन

पटियाला में केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए वीबी-जी राम जी बिल 2025 के विरोध में किसान मजदूर यूनियन मोर्चा के सदस्यों ने पुतला जलाया।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ बनकर बुजुर्ग महिला को किया डिजिटल अरेस्ट, ठगे करोड़ों रुपये

नई दिल्ली। साइबर ठगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के नाम पर ही ठगी कर डाली गई। मुंबई में साइबर अपराधियों ने जस्टिस चंद्रचूड़ बनकर पहले 68 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट किया और फिर 3.71 करोड़ रुपये ठग लिए। इस वारदात को अंजाम देने के लिए नकली ऑनलाइन अदालत लगाई गई और महिला को जमानत दिलाने के लिए खुद पर तीन पेज का निबंध लिखवाया गया। इस मामले में पिछले सप्ताह एक व्यक्ति को गुजरात के सूरत से गिरफ्तार किया गया। उसने ठगी की गई रकम का बड़ा हिस्सा अपने बैंक खाते में जमा कराया था। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि साइबर अपराधियों ने दक्षिण मुंबई के कोलाबा थाने के साथ ही केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी बनकर महिला को फोन किया और उसे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में डिजिटल अरेस्ट किया।

नए साल पर दिल्ली-एनसीआर में बारिश

यूपी-बिहार में कोहरे का कहर

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को अभी कोहरा, प्रदूषण और ठंड की तिहरा हमला झेलना पड़ रहा है। लगातार खराब होते मौसम ने सड़क से लेकर ट्रेनों और हवाई जहाजों की रफ्तार थाम दी है। लेकिन मौसम विभाग ने एक खुशखबरी का संकेत भी दिया है और दिल्ली, नोएडा से गाजियाबाद तक नए साल का स्वागत बारिश से हो सकता है।

मौसम का पूर्वानुमान

मौसम विभाग का पूर्वानुमान की मानें तो 1 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सामान्यतया बादल छाये रहेंगे। साथ ही बारिश या बूंदाबांदी के आसार हैं। 1 जनवरी को ज्यादा ठंड भी नहीं होगी। इस दिन अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

कोहरे की चेतावनी

हालांकि 2-3 जनवरी को मौसम फिर खराब हो सकता है और कोहरे और ठंड का दौर वापस लौट सकता है। उस दौरान न्यूनतम तापमान 8 से 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 30 दिसंबर से पश्चिमी हिमालयी इलाके में एक पश्चिमी विक्षोभ के हालात बन रहे हैं।

इससे 31 दिसंबर और 1 जनवरी को मैदानी इलाकों में असर देखने को मिल सकता है। सिक्किम, बंगाल और ओडिशा में भी 3 जनवरी तक तक कोहरा छाया रहने का अनुमान है।

राज्यों में कोहरे की चेतावनी

वेस्ट यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 31 दिसंबर तक अभी सुबह और रात के वक्त घना से बहुत कोहरा होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 31 दिसंबर तक कोल्ड डे से लेकर सीवियर कोल्ड का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में भी 31 दिसंबर और 1 जनवरी को शीत दिवस की चेतावनी है।

हैप्पी मॉर्निंग

मरीज- डॉक्टर साहब, मैं बहुत खुश हूं। चैन की नींद सोता हूं, कोई टेंशन नहीं है।
हर काम में दिल भी लगता है, लेकिन ऐसा क्यों है?
डॉक्टर- मैं तुम्हारी बीमारी समझ गया हूं।
तुम्हें विटामिन 'शी' की जरूरत है।

शायरी

ओस पड़ी थी रात बहुत और
कोहरा था गर्माइश पर
सैली सी ख़ामोशी में आवाज़
सुनी फ़रमाइश पर

ऐंजल चकमा हत्याकांड - नफरत रातोंरात पैदा नहीं होती, भाजपा के नेतृत्व ने इसे नॉर्मल बनाया : राहुल

देहरादून। देहरादून में त्रिपुरा के छात्र ऐंजल चकमा की मौत के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बयान सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (एक्स) पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा- देहरादून में ऐंजल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयावह घृणा अपराध है।

नफरत रातोंरात पैदा नहीं होती। वर्षों से इसे रोजाना, खासकर हमारे युवाओं को, जहरीली सामग्री और

गैर-जिम्मेदार बयानों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है और सत्ताधारी भाजपा के नफरत फैलाने वाले नेतृत्व द्वारा इसे सामान्य बना दिया गया है।

हालांकि देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने मामले में नस्लीय टिप्पणी के आरोपों से इनकार किया है, जबकि दर्ज एफआईआर में जाति सूचक शब्दों के इस्तेमाल का उल्लेख है।

एसएसपी अजय सिंह ने कहा कि अब तक की जांच में सामने आया है कि पीड़ित पक्ष और आरोपी दोनों ही नॉर्थ ईस्ट से हैं। ऐसे में नस्लीय टिप्पणी की बात तर्कसंगत नहीं लगती।

उत्तर प्रदेश बना देश में सर्वाधिक पर्यटकों के आगमन वाला राज्य

इस साल घूमने आए 137 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट

लखनऊ। पर्यटकों की संख्या के मामले में एक बार फिर उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर आया है। राज्य में धार्मिक व सांस्कृतिक पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राज्य ने विदेशी पर्यटकों के आगमन के मामले में देश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में अभी तक उत्तर प्रदेश में 137 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों का आगमन

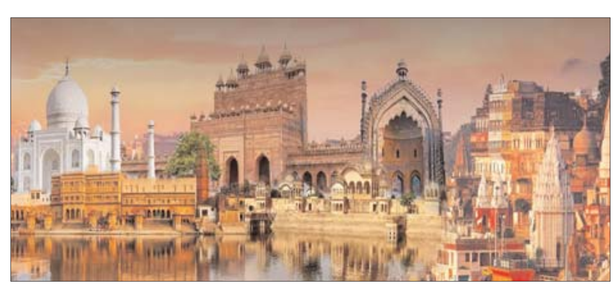

हुआ है। इनमें 3.66 लाख विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। प्रयागराज महाकुंभ में देश व विदेश से 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने शिरकत की थी। इन श्रद्धालुओं की संख्या ने लगातार चौथे वर्ष राज्य को घरेलू पर्यटकों की संख्या के मामले में पहले नंबर पर रखा है। सरकार राज्य में धार्मिक व सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। इसके चलते वाराणसी, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर भी पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है।

पर्यटन विभाग ने इस वर्ष प्रदेश में पर्यटन के विकास के लिए 1283.33 करोड़ रुपये की योजनाएं शुरू की हैं। इनमें वाराणसी के घाटों का सौंदर्यीकरण, एकीकृत सर्किट हाउस और कन्वेंशन सेंटर का निर्माण, चित्रकूट में कालिंजर एकीकृत मार्ग तथा राम वन गमन मार्ग पर पर्यटक सुविधा केंद्रों का विकास प्रमुख हैं। मुरादाबाद के भगवानपुर मंदिर, शाहजहांपुर के अजीत आश्रम योगकुंज (जन्मस्थली), वाल्मीकिनगर में लवकुश कुटी, त्रेतायुग भूमि कुटी, भरतकोठी, सीता रसोई का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है।

अर्थसार

संसेक्स:
84,695.54
-345.91 (0.41%)
निफ्टी:
25,942.10
-100.20

मौसम

अधिकतम	:	20 डिग्री से0
न्यूनतम	:	07 डिग्री से0
सूर्योदय बुधवार	:	7 : 25
सूर्यास्त मंगलवार	:	5 : 40

ट्राम नेटवर्क — सरकार ने लिया बंद करने का निर्णय, कोलकाता के ऐतिहासिक परिवहन का एक युग समाप्त

कोलकाता में थमने वाली है 152 साल पुराने ट्रामों की रफ्तार

कोलकाता। कोलकाता की सड़कों पर पिछले डेढ़ सौ सालों से गूंजने वाली ट्राम की घंटियां अब हमेशा के लिए खामोश होने की कगार पर हैं। एशिया के इस सबसे पुराने ट्राम नेटवर्क को आधुनिकता की दौड़ और यातायात के बढ़ते दबाव के कारण बंद करने की तैयारी कर ली गई है।

बंगाल सरकार ने हाल ही में इस ऐतिहासिक परिवहन सेवा को पूरी तरह समाप्त कर केवल एक छोटा 'हेरिटेज रूट' (विरासत मार्ग) बनाए रखने का निर्णय लिया है। यह खबर उन लाखों लोगों के लिए भावुक कर देने वाली है, जिनके लिए ट्राम सिर्फ एक सवारी नहीं, बल्कि शहर की

पहचान का अभिन्न हिस्सा रही है।

1873 में शुरू हुआ था सफर

ट्राम का सफर 1873 में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली बग्घियों से शुरू हुआ था, जो 1902 में बिजली से चलने वाले आधुनिक रूप में बदलीं। अपने स्वर्णिम दौर में इस नेटवर्क के पास 340 से अधिक ट्रामें थीं, जो पूरे शहर को एक सूत्र में पिरोती थीं। लेकिन आज बदलते वक्त के साथ इसकी चमक फीकी पड़ गई है।

अब शहर की सड़कों पर महज 10 से कम ट्रामें बची हैं और अधिकांश डिपो बेचे जा चुके हैं या कबाड़ में तब्दील हो रहे हैं।

प्रशासन का तर्क है कि धीमी गति से चलने वाली ट्रामें आधुनिक महानगर के ट्रैफिक जाम और तेज रफ्तार की जरूरतों के बीच फिट नहीं बैठतीं, इसलिए अब मेट्रो और चौड़ी सड़कों पर ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, इस फैसले का चौतरफा विरोध भी हो रहा है।

कोलकाता की रूह का हिस्सा है ट्राम

'कलकत्ता ट्राम यूजर्स एसोसिएशन' जैसे नागरिक समूह इस विरासत को बचाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। स्थानीय निवासियों का मानना है कि ट्राम न केवल प्रदूषण मुक्त परिवहन है, बल्कि कोलकाता की रूह का हिस्सा भी है। 19 साल के युवाओं से लेकर 36 साल तक सेवा देने वाले कंडक्टरों तक, हर कोई इसे शहर के शरीर से अलग होते एक अंग की तरह देख रहा है। फिलहाल ट्राम का भविष्य अदालत के फैसले पर टिका है, लेकिन आधुनिकीकरण की आंधी में इस ऐतिहासिक सवारी का अस्तित्व अब आखिरी सांसें गिनता नजर आ रहा है।

अपना ईमेल एड्रेस आसानी से बदल सकेंगे जीमेल यूजर्स

नई दिल्ली। जल्दी ही आप अपने पुराने जीमेल एड्रेस को आसानी से बदल सकेंगे। खास बात यह है कि इसके लिए नया अकाउंट बनाने की जरूरत नहीं होगी और न ही पुराना डेटा डिलीट होगा। गूगल के इस नए अपडेट के बाद जब आप अपना जीमेल एड्रेस बदलेंगे, तो आपका पुराना एड्रेस खत्म नहीं होगा। अब तक डेटा और यूट्यूब या गूगल ड्राइव जैसी सर्विस को जीमेल से जोड़े रखने के लिए ईमेल को नहीं बदला जा सकता था।

हाल के दिनों में गूगल ने यूजर्स को जीमेल एड्रेस को बदलने की सुविधा की शुरुआत की है। जीमेल एड्रेस बदलने पर ईमेल पुराने एड्रेस पर भी आते रहेंगे। अब तक, यह नई सुविधा केवल गूगल सपोर्ट पेज के हिंदी संस्करण पर दिखाई दे रही है, लेकिन ऐसा लगता है कि गूगल अकाउंट ईमेल एड्रेस को बदलने की सुविधा धीरे-धीरे सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध होगी। गूगल ने अभी नहीं बताया है कि किस यूजर्स को कब यह सुविधा मिलेगी। नई सुविधा के तहत, यूजर्स का पुराना जीमेल एड्रेस स्वचालित रूप से एक एलियास बन जाएगा, और ईमेल पुराने एड्रेस पर भी आते रहेंगे। जीमेल यूजर्स अपने पुराने या नए ईमेल एड्रेस का उपयोग गूगल की सेवाओं जैसे जीमेल, मैप्स, यूट्यूब, गूगल प्ले या ड्राइव में साइन इन करने के लिए कर सकेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि यूजर्स की सभी फाइलें, फोटो, सब्सक्रिप्शन, कैलेंडर का इतिहास मौजूदा एड्रेस पर बने रहते हैं।

संपादकीय

यूपी में बढ़ता अपराध : योगी आदित्यनाथ सरकार की पोल खोलता सच

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

उत्तर प्रदेश—देश का सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला राज्य—लंबे समय से अपराध और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों से जूझता रहा है। 2017 से सत्ता में आई योगी आदित्यनाथ सरकार लगातार दावा करती है कि अपराध पर निर्णायक अंकुश लगा है। सवाल यह है कि क्या ज़मीनी हकीकत भी उतनी ही उजली है, जितनी सरकारी प्रस्तुतियों में दिखाई जाती है?

आंकड़े क्या कहते हैं?

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की 2023 रिपोर्ट के मुताबिक :

- यूपी की अपराध दर प्रति लाख आबादी 335.3 रही—जो राष्ट्रीय औसत 448.3 से लगभग 25त्न कम है।
- हत्या, डकैती, लूट तथा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की दर राष्ट्रीय औसत से कम बताई गई।
- सांप्रदायिक दंगे 2023 में शून्य दर्ज हुए—जबकि पहले वर्षों में इनकी संख्या सैकड़ों में रहती थी।
- सरकार का दावा है कि 2017 के बाद जघन्य अपराधों में 80 -85 प्रतिशत तक कमी आई है, और माफिया के खिलाफ कार्रवाई में ?14,200 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त हुई है।

ये आंकड़े सरकार के पक्ष में जाते दिखते हैं। पर यही पूरी कहानी नहीं है।

तस्वीर का दूसरा पहलू

- कुल दर्ज अपराधों की संख्या के मामले में यूपी आज भी शीर्ष पर है—क्योंकि आबादी 24 करोड़+ है।
- 2023 में हत्या (3200+), महिलाओं के खिलाफ अपराध और दलित उत्पीड़न के मामलों में यूपी अग्रणी राज्यों में रहा।
- 2024-25 के कुछ अनुमानों में अपराध दर में हल्की बढ़ोतरी के संकेत मिलते हैं, भले ही राष्ट्रीय स्तर पर कमी दिखी हो।
- विपक्ष आरोप लगाता है कि अपराधों की अंडर-रिपोर्टिंग, फेक एनकाउंटर और बुलडोजर राजनीति से वास्तविक तस्वीर ढकी जा रही है।

महिलाएं, साइबर अपराध और शहरी असुरक्षा

महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर भले राष्ट्रीय औसत से कम हो, लेकिन कुल मामले हजारों में हैं। हाथरस और उन्नाव जैसे मामलों की स्मृति आज भी भरोसा डगमगाती है।

इसके साथ ही साइबर अपराध, नाबालिगों द्वारा अपराध, और शहरों में छिनैतीङ्कचोरी आम अनुभव बन चुके हैं—जो आम नागरिक की सुरक्षा-भावना पर चोट करते हैं।

सुधार बनाम चयनात्मक सख्ती

सरकार की पहलें—जीरो टॉलरेंस, मिशन शक्ति, स्मार्ट पुलिसिंग, सीसीटीवी नेटवर्क, नए थाने और पुलिस आधुनिकीकरण—निस्संदेह कुछ सुधार दिखाती हैं।

लेकिन शिकायतें भी उतनी ही तेज़ हैं :

- कमज़ोर वर्गों पर सख्ती अधिक,
- प्रभावशाली अपराधियों पर कार्रवाई असंगत,
- और कानून का समान अनुप्रयोग सवालों के घेरे में।

निष्कर्ष : दावा बनाम भरोसा

आंकड़े बताते हैं कि प्रति व्यक्ति अपराध दर में यूपी कई राज्यों से बेहतर है—जबकि कुल अपराध संख्या ऊँची बनी हुई है। बेहतर रिपोर्टिंग से अधिक मामले दर्ज होना सकारात्मक संकेत हो सकता है, पर यदि जनता सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो किसी भी सरकार के दावे खोखले पड़ते हैं।

योगी सरकार ने कानून-व्यवस्था सुधारने के प्रयास किए हैं और NCRB डेटा इसका आंशिक समर्थन करता है। फिर भी, बढ़ती आबादी, सामाजिक असमानता और राजनीतिक ध्रुवीकरण के बीच अपराध की जड़ें सिर्फ एनकाउंटर या बुलडोजर से नहीं कटेंगी।

असली समाधान—शिक्षा, रोजगार, निष्पक्ष न्याय और पारदर्शी शासन—यहीं से भरोसा लौटेगा। जब हर नागरिक बिना भय के जी सकेगा, तभी किसी सरकार की 'पोल' नहीं, उसकी विश्वसनीयता खुलेगी।

दोस्ती अखबार से

ऐसे दौर में जब बच्चे डिजिटल मीडिया को अंतिम सत्य मानने लगे हैं, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य बनाना एक सुखद अहसास ही है। सुबह की प्रार्थना के दौरान दस मिनट तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खबरें व संपादकीय पढ़ना अनिवार्य किया गया है। बाकायदा रोज पांच कठिन शब्द अर्थ के साथ ब्लैकबोर्ड पर दर्ज होंगे। निश्चय ही इस प्रयास से जहां बच्चों में पढ़ने की संस्कृति, शब्द व सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, वहीं उनके स्क्रीन टाइम में कमी आ सकेगी। निर्विवाद रूप से इससे धीरे-धीरे छात्रों की पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। बच्चे पढ़ने की संस्कृति से जुड़कर भावनात्मक, बौद्धिक व सामाजिक सरोकारों से समृद्ध होंगे। बहुत संभव है कि यदि इस अभियान को निरंतरता के साथ चलाया जाता रहा तो बच्चे पुस्तकालयों में रुचि लेने लगेंगे। विडंबना यह है कि आज बच्चों की उंगलियां पुस्तकों के पन्ने पलटने के बजाय मोबाइल के की-बोर्ड पर थिरकती रहती हैं। चिंताजनक स्थिति है कि भारत में पांच साल तक के बच्चे भी रोज दो घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। एक सर्वे में चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि दो साल जैसी कम उम्र के बच्चे भी रोज 1.2 घंटे स्क्रीन पर लगाते हैं। गंभीर स्थिति यह है कि एक चौथाई बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच है। ऐसे वक्त में जब आस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच को रोका गया है, भारत में दस साल से कम उम्र के बच्चों तक के सोशल मीडिया अकाउंट बने हुए हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसला किया है कि मॉर्निंग असेंबली के दौरान बच्चों को अंग्रेजी व हिंदी के समाचार पत्र पढ़ने को दिए जाएंगे। ये निर्णय सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों के लिये है, लेकिन यदि निजी स्कूल भी चाहें तो वे भी ऐसा निर्णय ले सकते हैं।

निस्संदेह, बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम से अलग भी पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। तमाम सर्वे बता रहे हैं कि आज भी अखबार भरोसेमंद सूचना माध्यम हैं। कई चरणों में संपादकीय मंडल खबरों को सुरक्षित तरीके से जांच कर प्रकाशित करता है। यूं तो कथित सोशल मीडिया पर सूचनाओं का अंबार लगा है, लेकिन संपादक नामक संस्था के न होने से उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। निहित स्वार्थी तत्व भ्रामक सूचनाएं लगातार प्रसारित करते रहते हैं। निस्संदेह, बच्चे जब अखबार पढ़ेंगे तो अखबारों के संपादकीय व लेख पढ़कर वे अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे। साथ ही उनकी भाषा समृद्ध होगी। आजकल के छात्रों के सबसे कम नंबर मातृभाषा में ही आते हैं। संकट यह भी है कि आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की मासूमियत छीन रहे हैं और उन्हें समय से पहले वयस्क बना रहे हैं।

नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जबावों की तलाश

-ललित गर्ग-

एक और वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरुआत है।

वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोज़गारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए। ये वे अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके समाधान के बिना नये भारत और सशक्त भारत की संकल्पना अधूरी ही रहेगी। जाते हुए वर्ष के आंकडों एवं घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक से किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति नहीं आंकी जा सकती, उसके लिए आम जनजीवन की सच्चाइयों को समझना जरूरी है।

पहलगाम की आतंकी घटना ने एक बार फिर आतंकवाद के भयावह चेहरे को उजागर किया, लेकिन उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल पीड़ित नहीं, बल्कि निर्णायक और साहसी प्रतिकार करने वाला राष्ट्र है। इस सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलते हुए दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों के जीवन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। आतंक के विरुद्ध भारत की यह नीति-न तो उकसावे में आना, न ही चुप रहना, एक परिपक्व, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र की पहचान बन चुकी है, जिसने सीमा पार बैठे आतंकी संरक्षकों को गहरा और ठोस जवाब दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएं और उनकी वैश्विक नेतृत्व-छवि भारत के उभार को नई ऊंचाइयों तक ले जाती दिखती हैं। कूटनीति, निवेश, तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई है, जिससे देश के भीतर विश्वास और आशाओं का संचार हुआ है। स्थिर शासन, सुधारों की निरंतरता और वैश्विक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलवादमुक्त भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमघोंटू प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वंचित चुकाते हैं। विकास की अंधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें है, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है।

प्रदूषण और स्वास्थ्य का संकट भी 2025 में और अधिक गहराया। दिल्ली-एनसीआर सहित अनेक शहरों की हवा लंबे समय तक 'गंभीर' श्रेणी में बनी रही। यह केवल प्रदूषण के आंकड़े नहीं थे, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा था। जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और रासायनिक अपशिष्ट ने गांवों और कस्बों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सवाल यह है कि क्या आर्थिक विकास के नाम पर हम अपने ही जीवन स्रोतों को नष्ट करने के लिए तैयार हैं। नया वर्ष यह सोचने की प्रेरणा देता है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण उसका मूल आधार हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने कई कड़वी सच्चाइयों को उजागर किया। विदेशों में पढ़ाई लगातार महंगी होती गई और देश के भीतर निजी शिक्षा संस्थानों की फीस मध्यम वर्ग की पहुंच से भी बाहर होती चली गई। शिक्षा का बढ़ता बाज़ारीकरण गरीबी के दुष्चक्र को और मजबूत कर रहा है। गरीब का बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है और अशिक्षा उसे फिर उसी गरीबी में धकेल देती है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, चौराहों और कारखानों में काम करते बच्चों की तस्वीरें विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। नया वर्ष यह गंभीर सवाल सामने रखता है कि क्या शिक्षा अधिकार है या विशेषाधिकार। यदि शिक्षा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है, तो उसे बाजार की वस्तु क्यों बना दिया गया है। चिकित्सा व्यवस्था भी 2025 में आम आदमी की सबसे बड़ी चिंता बनी रही। सरकारी योजनाओं और दावों के बावजूद गंभीर बीमारी आज भी आर्थिक तबाही का कारण बन जाती है। निजी अस्पतालों की मनमानी, महंगी जांचें और दवाइयों की बढ़ती कीमतें यह प्रश्न खड़ा करती हैं कि क्या जीवन भी अब खरीदने-बेचने की वस्तु बन गया है। नया साल यह मांग करता है कि स्वास्थ्य को सेवा के रूप में पुनर्परिभाषित किया जाए, न कि मुनाफे के साधन के रूप में। महामारी और आपदाओं के अनुभव यह सिखाते हैं कि मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ही किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती है।

भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कटुता ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमजोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिंदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है। नया वर्ष यह सवाल उठाता है कि क्या राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी या केवल सत्ता का साधन बनी रहेगी। वर्ष 2025 ने हमें यह सिखाया कि चुनौतियां केवल समस्याएं नहीं होतीं, वे भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। पर्यावरण संकट हमें टिकाऊ विकास की ओर बुलाता है, शिक्षा और स्वास्थ्य की चुनौतियां हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाती हैं और गरीबी व भ्रष्टाचार हमें सामाजिक न्याय की अनिवार्यता समझाते हैं। नये वर्ष की नाव इन्हीं अनुभवों और सबकों के सहारे आगे बढ़ सकती है। यदि हम विकास को प्रकृति-संवेदनशील बनाएं, शिक्षा और चिकित्सा को लोककल्याण का आधार मानें, राजनीति में नैतिकता और प्रशासन में पारदर्शिता स्थापित करें और गरीबी उन्मूलन को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकता में उतारें, तो नये वर्ष का स्वागत सार्थक होगा।

नया साल कोई जादुई समाधान नहीं लाता, वह केवल एक अवसर देता है-अपने अनुत्तरित सवालों से ईमानदारी से जूझने का। यदि हम 2025 की घटनाओं से प्रेरणा लेकर 2026 में सही प्रश्न पूछने का साहस कर पाएं, तो उनके उत्तर स्वत: रास्ता बना लेंगे। यही नये वर्ष की सच्ची कामना, संकल्प और सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3755

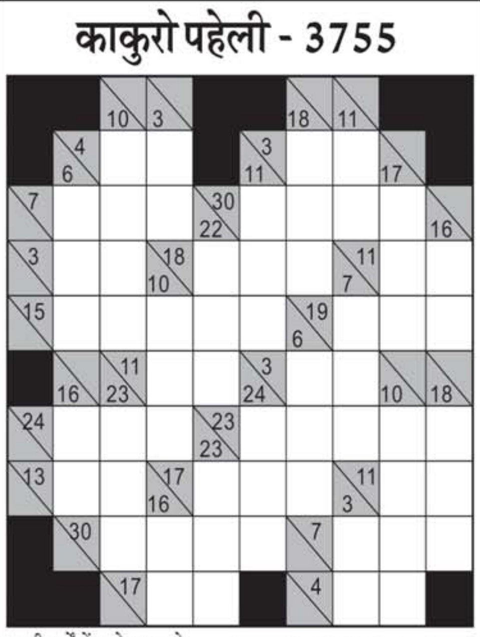

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

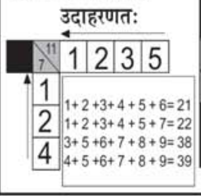

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3754 का हल

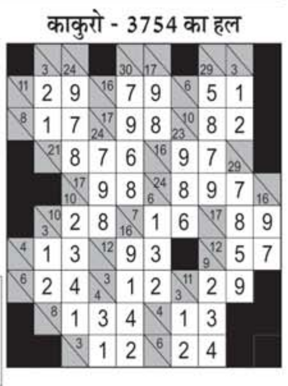

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-''नाखुश हो गए?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला-''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3755

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3754

बा	ग	बा	न		त्रि		धू	म
रू		द		स्व	दे	श		र्या
द	ला	ल			व		दा	दा
	ड़		प्या	सा		सी	मा	
दु	ला	र		ज	ख्मी		द	म
श्म		ज	मी	न		ने		म
नी	तू		ना		म	हा	न	ता
		आ		दो	स्त		गी	
दि	ल	ज	ले			बे	ना	म

सूडोकु -3755

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3754 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली -3755

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली - 3754 का हल

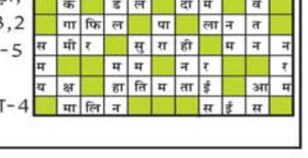

पत्नी की हत्या कर पति ने जान दी

7 बार चाकू मारा, फिर उसी कमरे में फंदे पर लटका

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में रविवार को किराए के घर में पति ने पत्नी की हत्या कर खुद सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। बाद में गुस्से में पति ने धारदार हथियार से पत्नी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों को शक हुआ। सूचना पुलिस को दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो देखा कि पत्नी की खून से लथपथ लाश पड़ी हुई थी, जबकि पति फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजनों को सूचना दी गई। घटना बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सोसाइटी की है।

एक महीने पहले किराए पर कमरा लिया था

एक महीने पहले ही अनिल (33) और अनीता (30) सरस्वती कुंज में किराए पर रहने आया था। दोनों मूल रूप से एटा के रहने वाले हैं। अनिल एक निजी कंपनी में गॉर्ड की नौकरी करता था। जबकि, पत्नी सोसाइटी में घरों की साफ-सफाई का काम करती थी।

चीख-पुकार सुन पड़ोसियों ने मकान मालिक को बताया

पड़ोसियों के मुताबिक, रविवार शाम करीब 5 बजे दोनों घर लौटे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। झगड़े की आवाज बाहर आने पर पड़ोसियों ने मकान मालिक को इसकी जानकारी दी।

दरवाजा अंदर से बंद था। इसलिए मकान मालिक और पड़ोसियों ने खिड़की से झांककर देखा। अंदर का नजारा देख सभी के होश उड़ गए। पत्नी फर्श पर लहूलुहान हालत में पड़ी थी, जबकि पति फांसी के फंदे से लटका हुआ था।

13 साल पहले शादी हुई, कोई संतान नहीं थी

पड़ोसियों ने बताया कि दोनों की 13 साल पहले दोनों की शादी हुई थी। उनकी कोई संतान नहीं है। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में अनबन थी। कल भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ।

पुलिस ने क्या कहा?

पुलिस के अनुसार, पति ने धारदार हथियार से पत्नी के गले पर 5 से 7 बार वार किए। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इसके बाद आरोपी पति ने खुद के हाथ और शरीर पर भी चाकू से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

एक्सप्रेसवे पर 'अग्नि तांडव': चलती कार बनी आग का गोला

चालक ने कूदकर बचाई जान, कार हुई जलकर राख

नोएडा। वकार सैफी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब धू-धू कर जलती एक कार ने पूरे एक्सप्रेसवे की रफ्तार को थाम दिया। गनीमत रही कि ड्राइवर ने समय रहते कार से कूदकर अपनी जान बचा ली। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल कर खाक हो चुकी थी। बता दे कि मामला नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे जीरो प्वाइंट के पास का है। जहाँ मायचा गांव के रहने वाले भूपेंद्र अपनी टाटा पंच कार से नोएडा से ग्रेटर नोएडा की ओर जा रहे थे। सफर सामान्य था, लेकिन तभी अचानक गाड़ी के बोनट से हल्का धुआं निकलने लगा। इससे पहले कि भूपेंद्र कुछ समझ पाते, चंद सेकेंड्स के भीतर कार के अगले हिस्से से आग की भीषण लपटें उठने लगीं। मौत को सामने देख भूपेंद्र ने सूझबूझ दिखाई और चलती कार को तुरंत रोककर बाहर कूद गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया

और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। सड़क के बीचों-बीच हुए इस अग्नि तांडव की वजह से एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जहाँ एक तरफ लंबा जाम लग गया, वहीं कुछ राहगीर अपनी जान जोखिम में डालकर इस मंजर का वीडियो बनाते नजर आए। खबर मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, शुरुआती जांच में आग का कारण तकनीकी खराबी माना जा रहा है। पुलिस ने क्रेन की मदद से जली हुई कार को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारु कराया है। राहत की बात यही है कि इस भयानक हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

10 लाख के 34 मोबाइल के साथ तीन गिरफ्तार

नोएडा थाना फेज-1 पुलिस ने पकड़ा, हरियाणा-दिल्ली के साथ गाजियाबाद-नोएडा टारगेट थे

नोएडा। नोएडा की थाना फेज-1 पुलिस ने तीन मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 लाख कीमत के 34 मोबाइल बरामद किए गए हैं। ये लोग सुनसान इलाकों से पहले बाइक चोरी करते हैं। उसके बाद उसी बाइक से रेकी कर मोबाइल स्नेचिंग की घटना करते हैं। दिल्ली और अन्य स्थानों पर कम दामों पर मोबाइल बेच देते हैं। डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि पकड़े गए बदमाश ध्रुव, रवि और सागर हैं। तीनों अलीगढ़ के रहने वाले हैं। ये पिछले काफी समय से स्नेचिंग की घटना कर रहे हैं। नोएडा पुलिस ने तीनों को थाना फेज-1 क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से बरामद बाइक थाना क्रासिंग रिपब्लिक गाजियाबाद से चोरी की गई थी। इसी से ये स्नेचिंग की घटना कर रहे थे। लोगों को डराने के लिए ये अपने पास चाकू रखते हैं।

पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि ये पहले एकांत में खड़ी बाइक को टारगेट करते हैं। उसे चोरी कर राह चलते लोगों से मोबाइल स्नेचिंग करते हैं। इस गैंग ने दिल्ली नोएडा के सीमावर्ती इलाकों, हापुड़, गाजियाबाद और हरियाणा में घटनाओं को अंजाम दिया है। मोबाइल को दिल्ली में या पार्टस निकालकर बेच देते हैं। मिलने वाले पैसे आपस में बांट लेते हैं।

पुलिस ने दो वाहन चोरों को किया गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की सात मोटरसाइकिलें और दो अवैध तमंचे बरामद किए हैं। पुलिस को गोपनीय सूचना और बीट पुलिसिंग की मदद से यह सफलता मिली। आरोपी जावेद (निवासी हापुड़) और मनोज सागर (निवासी मेरठ) को थाना क्षेत्र के गुर्जरपुर रेलवे अंडरपास के पास एक खंडहरनुमा कमरे से पकड़ा गया। उन्होंने चोरी की मोटरसाइकिलें वहीं छिपा रखी थीं। नॉलेज पार्क थाना प्रभारी सर्वेश कुमार ने बताया कि ये दोनों शातिर अपराधी हैं। वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रेकी कर दोपहिया वाहन, खासकर बुलेट मोटरसाइकिलें चोरी करते थे। चोरी के वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें जिले से बाहर देहात क्षेत्रों में सस्ते दामों पर बेच देते थे। वे ग्राहकों की ऑन डिमांड पर भी मोटरसाइकिलें चोरी करने की योजना बनाते थे। चोरी की मोटरसाइकिलों को बेचकर मिले पैसों से वे मौज-मस्ती करते थे। फिलहाल, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नोएडा मेट्रो का फरवरी में विस्तार किया जाएगा

बोटेनिकल गार्डन से सेक्टर 142 तक चलेगी, 7 जनवरी तक मिल सकती है मंजूरी

नोएडा। नोएडा मेट्रो का फरवरी-मार्च में विस्तार किया जाएगा। बोटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक मेट्रो चलाई जाएगी। इसके लिए पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड में एनएमआरसी के एमडी लोकेश एम ने प्रजेंटेशन दिया था। एमडी ने बताया कि रिस्पांस पाजीटिव था। अगले एक सप्ताह में मंजूरी पत्र मिल जाएगा। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया की जाएगी।

उधर डिटेल्ड डिजाइन ड्राइंग का काम भी पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए पहले ही कंपनी का चयन हो चुका है। नोएडा में बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक का 11.56 किमी का मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाना है। इस रूट की डीपीआर पांच साल पहले तैयार की गई थी। रोजाना करीब 1 से 1.25 लाख लोग इस लिंक लाइन का प्रयोग करेंगे। इसके निर्माण में करीब 2254.35 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

हालांकि पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड में प्रजेंटेशन के दौरान पूछा गया कि इस लाइन की वायबिलिटी क्या है ? कितने मुसाफिर इससे सफर करेंगे ? पहले से जो लाइन चल रही है वो घाटे में फिर भी आप इस लाइन को लेकर उत्साहित

है ? इसी तरह कई प्रश्नों का जवाब एनएमआरसी के एमडी ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष दिया था। पॉजिटिव रिस्पांस मिलने पर अब जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में वहां से मंजूरी पत्र जाएगा। जिसके बाद टेंडर जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जा सकता है।

ये होंगे स्टेशन

इस मेट्रो कॉरिडोर पर बॉटेनिकल गार्डन, नोएडा सेक्टर-44, नोएडा ऑफिस, नोएडा सेक्टर-97, नोएडा सेक्टर-105, नोएडा सेक्टर-108, नोएडा सेक्टर-93, और पंचशील बालक इंटर कॉलेज स्टेशन बनाए जाएंगे। कॉरिडोर का आखिरी स्टेशन सेक्टर-142 होगा।

ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक

केंद्र सरकार से ग्रेटर नोएडा डिपो स्टेशन से बोड़ाकी तक मेट्रो रूट को मंजूरी मिल चुकी है। इस रूट पर जुनपत और बोड़ाकी सिर्फ दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। बोड़ाकी में बड़ा स्टेशन बनाया जाएगा। एक्वा लाइन का ये सबसे छोटा मेट्रो विस्तार है। इसके लिए 2.6 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड ट्रैक बिछाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस रूट पर मेट्रो चलाने में 416 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

ग्रेटर नोएडा में कोहरा : पुलिस ने यातायात रोका, चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग के लिए किया जागरूक

जेवर। ग्रेटर नोएडा में सोमवार को घने कोहरे ने यातायात व्यवस्था को प्रभावित किया। यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर कोहरे के कारण वाहनों की गति धीमी रही। सोमवार सुबह करीब 10 बजे तक भी दृश्यता बेहद कम थी, जिसके चलते एक्सप्रेसवे पर कम ही वाहन दिखाई दिए। दुर्घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

रविवार देर रात कोहरे की तीव्रता बढ़ने पर पुलिस ने एहतियातन यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर और जीरो प्वाइंट के पास वाहनों का आवागमन अस्थायी रूप से रोक दिया था। इसी तरह ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भी देर रात यातायात को नियंत्रित करते हुए वाहनों को रोका गया। पुलिस की सतर्कता और समय पर उठाए गए कदमों के कारण किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटना की सूचना नहीं मिली।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कोहरे के मौसम में हादसों की संभावना काफी बढ़ जाती है, इसलिए लोगों से लगातार अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की जा रही है। बीते कई दिनों से एक्सप्रेसवे पर वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं, ताकि कम दृश्यता के दौरान वाहन दूर से ही दिखाई दे सकें। इसके साथ ही चालकों को कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जेवर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पुलिस टीम लगातार यमुना एक्सप्रेसवे पर मौजूद रहकर लोगों को जागरूक कर रही है। उन्होंने कहा कि वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाने के साथ-साथ चालकों से अपील की जा रही है कि कोहरे के दौरान तेज गति से वाहन न चलाएं और यदि संभव हो तो यात्रा टाल दें। पुलिस का उद्देश्य है कि सर्दियों के इस मौसम में कोहरे के कारण कोई भी अप्रिय घटना न हो और यातायात सुरक्षित बना रहे।

प्री-बोर्ड परीक्षाएं छह जनवरी से शुरू होंगी

नोएडा। जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों को 10वीं और 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षा के आयोजन को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार ये परीक्षाएं छह जनवरी से 19 जनवरी के बीच विद्यालय स्तर पर आयोजित होंगी। अहम बात यह है कि पिछले साल यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए आए अतिरिक्त प्रश्नपत्रों की कॉपी कॉलेजों में पहुंचाई जा रही हैं, इन्हीं पेपर को परीक्षार्थी हल करेंगे। इससे स्पष्ट है कि पूरे जिले में एक दिन में विषय की परीक्षा होगी। अब तक परीक्षार्थी प्री-बोर्ड परीक्षा कॉलेज स्तर पर बने प्रश्न पत्र और समय सारणी के आधार पर देते थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ग्रेटर नोएडा में ड्यूटी से लौटते समय हुआ हादसा, केस दर्ज

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की उपचार के दौरान सोमवार शाम मौत हो गई। मृतक की पहचान अलीगढ़ जिले के मानपुर गांव निवासी सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। यह हादसा 22 दिसंबर को अलावलपुर मार्ग स्थित सर्विस रोड पर हुआ था।

सुरेंद्र सिंह अपनी ड्यूटी पूरी कर बाइक से गांव लौट रहे थे। परिजनों के अनुसार, गांव अलावलपुर के पास सर्विस रोड पर पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सुरेंद्र सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों ने उन्हें लहूलुहान अवस्था में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी। सोमवार शाम उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

शार्ट न्यूज

12 खाद्य नमूने प्रयोगशाला भेजे गए

गौतम बुद्ध नगर। गौतमबुद्धनगर में आगामी नव वर्ष 2026 के मद्देनजर जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने विभिन्न रेस्टोरेंट पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने इकट्ठा किए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त सर्वेश कुमार ने जानकारी दी कि कुल 12 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान पूरे जिले में जारी रहेगा और नव वर्ष तक लगातार चलेगा। मिलावट पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौर सिटी मॉल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सय्यद इबादुल्लाह ने सब वे से कबाब, बारकोज से वेज फ्राइड राइस और जीरो डिग्री से पनीर पेटीज के एक-एक नमूने लिए। कमर्शियल बेल्ट अल्फा में वॉव मोमोज से कुकिंग ऑयल और सबवे से पनीर टिक्का का एक-एक नमूना खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने लिया। यमुना एक्सप्रेस-वे, जेवर पर स्थित डोमिनोज से टोमेटो प्यूरी और टाउन पिज्जा से पिज्जा का एक-एक नमूना खाद्य सुरक्षा अधिकारी रविंद्र नाथ वर्मा ने एकत्र किया। पूर्वांचल रॉयल निम्बस पार्क, ग्रेटर नोएडा में डोमिनोज से मार्गरिटा पिज्जा का एक नमूना खाद्य सुरक्षा अधिकारी मालती ने लिया।

10 किसानों को मिला 6 प्रतिशत आबादी भूखंड

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के मथुरापुर और रिठौरी गांवों के 10 किसानों को सोमवार को छह फीसदी आबादी भूखंड आवंटित किए गए। दादरी के विधायक तेजपाल नागर और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने किसानों को आवंटन पत्र सौंपे। ये आवासीय भूखंड लंबे समय से लंबित थे। किसानों की जमीन अधिग्रहण के बाद से ही इन भूखंडों का आवंटन रुका हुआ था। भूखंड प्राप्त करने के लिए किसानों ने प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से भी गुहार लगाई थी। सीईओ ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आबादी भूखंड शीघ्र आवंटित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद नियोजन विभाग ने इन भूखंडों को नियोजित किया, जिसके परिणामस्वरूप सोमवार को मथुरापुर और रिठौरी के 10 भूखंडों के आवंटन पत्र जारी किए गए। इस अवसर पर दादरी विधायक तेजपाल नागर ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना की। भूखंड पाने वाले किसानों ने खुशी व्यक्त करते हुए प्राधिकरण के प्रति आभार जताया। प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इन किसानों को जल्द ही लीज प्लान और चेकलिस्ट जारी की जाएगी।

अवैध मीट की दुकानें, गंदगी से लोग परेशान

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कस्बे में अवैध रूप से जानवरों का कटान कर मीट बेचने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अवैध मीट की बिक्री से फैल रही गंदगी और बदबू के कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर 20 से अधिक स्थानीय निवासियों ने सोमवार को रबूपुरा पुलिस से शिकायत की है। कस्बे के मोहल्ला आजाद नगर के निवासी और दुकानदारों, जिनमें गौरव भाटी, जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, रौदाश, ओमी, पप्पू भाटी, सुधीर और अरविंद शामिल हैं, ने पुलिस को एक पत्र सौंपा। इसमें कहा गया है कि कुछ लोग बीच बाजार में उनकी दुकानों और घरों के सामने नियमों की अनदेखी कर खुलेआम मीट बेच रहे हैं। इन अवैध बूचड़खाने जैसी दुकानों पर भैंस, बकरा, मछली और मुर्गा काटकर बेचा जा रहा है। विक्रेता मृत जानवरों के अवशेष और गंदगी को वहीं फेंक देते हैं, जिससे वातावरण में तेज दुर्गंध फैल जाती है और सांस लेना मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति संक्रमण का कारण बन रही है और राहगीरों के लिए भी असहजता पैदा कर रही है।

भूमि खरीद तेज करने के लिए 15 लेखपाल मांगे

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण बड़ी विकास परियोजनाओं के लिए जमीन खरीद को तेज करेगा। इसके लिए शासन ने 15 लेखपालों की मांग की गई है, ताकि काम तेजी से पूरा हो सके। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि यीडा क्षेत्र में जुलाई 2025 से लेकर अब तक 1508 एकड़ भूमि की खरीद की जा चुकी है। भूमि खरीद पर करीब दो हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए हैं। यह भूमि सेक्टर-11, 5, 8डी, 10, 8, 28, 29, 32, 33 में खरीदी गई है। इनमें औद्योगिक और आवासीय सेक्टर शामिल हैं।प्राधिकरण ने अब सेक्टरों में जमीन के अटके मामलों तेजी लाने का प्लान तैयार किया है। बताया गया कि शहर में कई सड़कें अधूरी पड़ी हैं। इनको हल कराना है। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेसवे को नोएडा एयरपोर्ट से जोड़ने वाले लिंक एक्सप्रेसवे, 130 मीटर सड़क और अन्य बड़ी परियोजनाओं के लिए जमीन खरीद की जानी है। प्राधिकरण में स्टाफ की कमी है।

आठ माह के भीतर 22 सौ से अधिक फर्म बंद

नोएडा। जिले में आठ माह में 2200 से अधिक फर्म हो गईं। यह वे फर्म हैं, जिनका इसका साल अप्रैल से दिसंबर के बीच पंजीकरण हुआ था। इसमें लगातार शून्य जीएसटी रिटर्न फाइल करना, फर्जी कंपनियां और कारोबार नहीं चलने जैसे अहम कारण बताए जा रहे हैं। राज्य जीएसटी विभाग गौतमबुद्ध नगर के मुताबिक जिले में लगभग 1.25 लाख कंपनियां जीएसटी में पंजीकृत हैं। इनमें राज्य और केंद्रीय जीएसटी, दोनों में पंजीकृत कंपनियां शामिल हैं। पंजीकृत कंपनियों में ऑटोमोबाइल सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, मशीनरी, सेवा प्रदाता, मोबाइल समेत अन्य कंपनियां शामिल हैं।विभाग के अनुसार एक अप्रैल 2025 से 28 दिसंबर 2025 गौतमबुद्ध नगर में कुल 22294 नई कंपनियों का जीएसटी में पंजीकरण हुआ था। इनमें राज्य जीएसटी के तहत 11474 और केंद्रीय जीएसटी में 10820 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं। इनमें कुल 20040 कंपनियां सक्रिय हैं। इन कंपनियों में राज्य जीएसटी 10166 और केंद्रीय जीएसटी में 9847 सक्रिय कंपनियां शामिल हैं। ऐसे में इस अवधि में 2254 फर्म बंद हो गई हैं। अपर आयुक्त राज्यकर ग्रेड वन संदीप भागिया ने कहा कि नई पंजीकृत कंपनियों में लगभग दस फीसदी का पंजीकरण खत्म हुआ है। इसके तमाम कारण हो सकते हैं। इसमें कंपनियों द्वारा लगाए गए दस्तावेजों की सत्यता की पुष्टि न होने समेत अन्य वजह शामिल हैं।

नोएडा में 50 लाख की ज्वेलरी के साथ 3 अरेस्ट

2017 से घर में था नौकर, बचने के लिए खुद के हाथ-पैर बांधे; ब्लेड से हाथ काटा

नोएडा। नोएडा पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 50 लाख की ज्वेलरी करीब 1.21 लाख रुपए कैश बरामद किए गए। ये ज्वेलरी और कैश 25 दिसंबर को तीनों ने मिलकर सेक्टर-46 के एक फ्लैट से चोरी की थी। चोरी की पूरी साजिश घर में काम करने वाले नौकर ने रची। उसने अपने हाथ पैर तक बांधे और ब्लेड से हाथ पर निशान तक बनाया। ताकि अपने को बचा सके।

डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि इस मामले में संदीप, बाबू उर्फ ओमप्रकाश और लेखराज उर्फ साका को सेक्टर-40-41 के टी पाइंट से पकड़ा गया। इनके पास से तमंचा भी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि संदीप 2017 से पीड़ित के यहां हाउस-कीपिंग का काम कर रहा था। साथ ही घर में बने सर्वेंट रूम में ही रहता था।

विश्वास पात्र होने की वजह से कई बार पीड़ित उसे अकेला छोड़कर जा चुका था।

25 दिसंबर को भी पीड़ित अपने परिवार के साथ मुबंई गया था। संदीप को घर और ज्वेलरी और पैसों के बारे में जानकारी थी। लालच में आकर उसने गांव से अपने दो साथियों बाबू और लेखराज को बुला लिया। दोनों अपने साथ लॉक खोलने और ग्राइंडर जैसा सामान लेकर घर पहुंचे। तीनों ने मिलकर अलमारी का लॉक तोड़ा और 50 लाख ज्वेलरी और कैश चोरी कर लिया।

नौकर ने हाथ पैर बांधे

अपने को बचाने के लिए और घटना लूट खसोट की लगे । इसके लिए संदीप ने अपने दोनों साथियों की मदद से अपने हाथ पैर बंधवा लिए। साथ ही ब्लेड से हाथ पर कई निशान बना लिए।

ताकि पुलिस और पीड़ित को उस पर शक न हो। हुआ भी ऐसा पीड़ित को नौकर पर शक नहीं हुआ। लेकिन पुलिस पूछताछ में नौकर ने सब उगल दिया।

सीसीटीवी की डीवीआर ले गए

जाते समय चोर सीसीटीवी की डीवीआर भी अपने साथ ले गए। ताकि फुटेज गाय मिले और पकड़े नहीं जाए। पुलिस ने आसपास की सीसीटीवी चेक किए।

जिसमें दोनों के चेहरे दिख गए। पुलिस ने टीम बनाई और तीनों को सेक्टर-40-41 पाइंट से गिरफ्तार किया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार

गौतम बुद्ध नगर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे लगातार अत्याचारों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति ने ग्रेटर नोएडा के दादरी में आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान संगठन ने बांग्लादेश के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। रविवार देर शाम भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने यह आक्रोश यात्रा निकाली। बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अमरीश चौहान ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उनकी कॉलोनियों को जलाया जा रहा है और हाल ही में एक हिंदू व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई, जो एक जघन्य अपराध है। उन्होंने बांग्लादेश में घटित अमानवीय घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की।

नोएडा में निवेश के नाम पर ठगे 33 लाख

वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़ा , ट्रेनिंग दी, 9 बार में ट्रांसफर कराई रकम, फिर तोड़ा संपर्क

नोएडा। साइबर अपराधियों ने ग्रेटर नोएडा में रहने वाले एक व्यक्ति को शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर 33 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित को 28 अक्टूबर को ई-एक्सीलेंट मार्केट स्ट्रैटजी इन्फॉर्मेशन नाम के वॉट्सऐप ग्रुप में शामिल कर लिया गया। जिसमें नादिर वर्मा नाम का ठग ने खुद को भारतीय और अमेरिकी शेयर मार्केट एक्सपर्ट के रूप में पहचान बताई।

साथ ही पीड़ित को ग्रुप में ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें पजेना इन्वेस्टमेंट नामक एक एप्लिकेशन पर रजिस्ट्रेशन करा लिया। झांसे में आने के बाद व्यक्ति ने खुद और पत्नी के नाम पर दो अकाउंट शुरू कर 9 से अधिक बार में 33 लाख रुपए ठगों के खाते में ट्रांसफर कर दिया। वहीं पीड़ित ने रुपए निकालने की कोशिश की तो ठगों ने संपर्क तोड़ लिया।

वाट्सऐप ग्रुप से जोड़ा

पुलिस को अतुल कुमार जैन ने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा सेक्टर 16बी राधा स्काई गार्डन्स में रहते हैं। उनके पिता रेलवे से रिटायर्ड अधिकारी हैं। इसी साल 28 अक्टूबर को एक व्यक्ति ने उन्हें वॉट्सऐप पर मैसेज किया। जिसने खुद का नाम नादिर वर्मा बताया और भारतीय और अमेरिकी शेयर मार्केट का एक्सपर्ट होने की बात कही। इसके बाद पीड़ित को ठग ने 200 सदस्य वाले वॉट्सऐप ग्रुप में शामिल कर लिया।

झांसे में लेकर 45 मेंबर वाले ग्रुप में शामिल

कुछ दिन बाद ठग ने दावा किया कि वह लगभग 40 बड़े निवेशकों का एक विशेष निवेश क्लब चलाता है। जिसमें भारतीय और अमेरिकी का शेयर बाजार खुलने से पहले के घंटों के दौरान निवेश किए जाते हैं। झांसे में लेने के बाद ठग ने उन्हें 45 मेंबर वाले क्लब में शामिल कर लिया और एक पनेजा एप्लिकेशन पर रजिस्ट्रेशन भी करा लिया। पीड़ित ने खुद के नाम और अपनी पत्नी के नाम पर दो अकाउंट शुरू किए थे। जिसमें 25 नवंबर से 9 दिसंबर तक 33 लाख रुपए निवेश किए।

एक लाख रुपए निकाले

12 दिसंबर को मुनाफे की रकम 1 लाख रुपए निकाले। जिसे ठगों ने आसानी से विड्राल करने दिया। इसके बाद पीड़ित ने 14 दिसंबर को और रकम निकालने की पेशकश तो ठगों ने कोई जवाब नहीं दिया। साथ ही ठगों ने संपर्क तोड़ लिया। पीड़ित ने तुरंत एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

युवक की हत्या कर न्यूड लाश फेंकी

ईंट से सिर कूचा, कुत्तों ने चेहरा नोचा; 3 साल से पत्नी से चल रहा था झगड़ा

कानपुर। कानपुर में पेट्रोल पंप के सेल्समैन की ईंट से कूच कर हत्या कर दी गई। हत्यारे सेल्समैन की न्यूड लाश रेलवे मैदान में फेंक कर भाग गए। सेल्समैन की बॉडी से करीब 50 मीटर की दूरी पर उसके कपड़े पड़े थे। उसकी बाइक में चाबी लगी हुई थी। सेल्समैन का दाहिना कूल्हा, चेहरा, गर्दन, पेट, बायां हाथ कुत्तों ने नोच डाला था।

करीब 10 मीटर दूर ज्यादा खून पड़ा था। इससे अंदाजा लगाया गया कि कई कुत्ते इस जगह से शव को घसीट कर ले गए होंगे। सोमवार तड़के मॉर्निंग वॉकर पर निकले लोगों ने न्यूड लाश देखकर 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी।

मौके पर डीसपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी गोविंदनगर थाने की फोर्स के साथ पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके से खून से सनी ईंट बरामद की। शव की पहचान नरवल के गांव पालेपुर में रहने वाले राहुल अवस्थी (35) के रूप में हुई है। राहुल के पिता ने बताया- बेटे की 3 साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद से पत्नी से झगड़ा चल रहा था। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है।

रमईपुर में हिंदुस्तान पेट्रोल पंप पर काम करता था

पालेपुर गांव निवासी राम प्रकाश अवस्थी नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित ऑयल डिपो में गार्ड की नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया- हम परिवार के साथ संजय गांधी नगर स्थित मकान में रहते हैं। मेरे बेटे राहुल अवस्थी की हत्या हुई है। राहुल अवस्थी रमईपुर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम पंप में सेल्समैन था। उसकी शादी मीता सराय निवासी माया देवी के साथ तीन साल पहले हुई थी।

पिता ने बताया कि शादी के 15 दिन बाद से ही बेटे और बहू के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर अक्सर झगड़ा होता रहता था। करीब दो साल से बहू बेटे से अलग घर की पहली मंजिल में रहती थी। रविवार रात करीब 10.45 बजे बेटा उन्हें मोबाइल देकर कुछ देर में आने की बात कहकर चला गया था, इसके बाद वह नहीं लौटा।

पूरनपुर में देर रात पुलिस मुठभेड़, प्रतिबंधित पशु वध के दो आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में रविवार देर रात पुलिस और प्रतिबंधित पशु वध में संलिप्त अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घायल आरोपियों को उपचार के लिए सीएचसी पूरनपुर में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार 25 दिसंबर को पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर मार्ग स्थित कुंडा पुल के नीचे प्रतिबंधित पशु के अवशेष मिले थे। इस घटना से क्षेत्र में तनाव फैल गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी।

रविवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रतिबंधित पशु वध में शामिल आरोपी एक बार फिर पशु को मारने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और माधोटांडा रोड स्थित रम्पुरा माइनर के पास घेराबंदी शुरू कर दी, रात करीब 8:30 बजे बाइक सवार दो संदिग्ध युवक मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे बाइक मोड़कर माइनर के कच्चे रास्ते की ओर भागने लगे और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। हालात को देखते हुए पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों आरोपियों के बाएं पैर में गोली लगी और वे जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों को दबोच लिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के पास से अवैध तमंचा, कारतूस और प्रतिबंधित पशु को मारने में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं।

सीतापुर में छोटे भाई को बांके से काट डाला

सीतापुर। सीतापुर में बड़े भाई ने अपने छोटे भाई को बांके से काट डाला। वो अपनी मां को शराब के नशे में गाली दे रहा था। बड़े भाई ने इसका विरोध किया। लेकिन वो नहीं माना। जिसके बाद उसने मां के सामने ही उसे पीटा और बांके से गला काटकर हत्या कर दी।

हत्याकांड में आरोपी के बेटे ने भी उसका साथ दिया। वारदात हरगांव थाना क्षेत्र के परसेहरा शरीफपुर गांव की है। गांव में बुजुर्ग श्यामकली (65) अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके तीन बेटे गुड् ?डू, मनोज और संदीप हैं। गुड्डू मां के मकान के सामने अपने घर में रहता है। जबकि मनोज मां के पास रहता था। संदीप हरियाणा में जॉब करता है। बताया जाता है कि मनोज शराब का आदी है, जो शराब के नशे में अक्सर घर में गाली-गलौज और मारपीट करता था। सोमवार शाम साढ़े 6 बजे भी वह नशे की हालत में मां श्यामकली से गाली-गलौज कर रहा था। जिसका विरोध बड़े भाई गुड्डू उर्फ प्रमोद कुमार ने किया। इसी दौरान विवाद इतना बढ़ा कि गुस्से में आकर गुड्डू ने अपने नाबालिग बेटे के साथ मिलकर मनोज के गले पर बांके से वार कर दिया। वो उसे मरने तक मारता रहा।

शीतलहर के बीच गन्ना किसानों की सुविधा सर्वोपरि

मिल गेट व क्रय केंद्रों पर अलाव के निर्देश

पीलीभीत। जनपद में जारी शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए गन्ना किसानों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत खुशी राम भार्गव द्वारा एल.एच. चीनी मिल के अंतर्गत क्रय केंद्र वजीरगंज प्रथम ऐट पजावा का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान क्रय केंद्र पर तौल लिपिक ज्ञान प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित क्रय केंद्र पर अब तक 23,339 कुंतल गन्ने की खरीद की जा चुकी है। मौके पर मौजूद किसानों ने अधिकारियों को अवगत कराया कि क्रय केंद्र पर उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है और गन्ना खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

कांटा जांच के सख्त निर्देश जिला गन्ना अधिकारी ने जनपद के सभी तौल केंद्रों पर तैनात केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तौल प्रक्रिया शुरू करने से पूर्व किसानों की उपस्थिति में कांटे की जांच अनिवार्य रूप से की जाए। बिना कांटा जांच के तौल कार्य प्रारंभ न करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कांटा जांच के बाद उसकी प्रविष्टि कांटा जांच रजिस्टर में दर्ज करना और दैनिक गन्ना खरीद रजिस्टर को समय से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

जनपद के सभी सचिवों एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्र के क्रय केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण करें। विशेष रूप से दुर्गम क्षेत्रों में स्थापित क्रय केंद्रों तथा उन केंद्रों का प्राथमिकता से निरीक्षण करने को कहा गया है, जहां पूर्व वर्षों में शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

निरीक्षण के उपरांत रिपोर्ट मूल रूप में सहायक चीनी आयुक्त को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला गन्ना अधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि किसी भी क्रय केंद्र पर अनियमित गन्ना खरीद या घटतौली पाई जाती है, तो संबंधित तौल लिपिक का लाइसेंस निलंबित किया जाएगा। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश गन्ना आपूर्ति अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

वर्तमान में चल रही शीतलहर को ध्यान में रखते हुए सभी चीनी मिलों के अध्यासी एवं प्रधान प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि मिल गेट पर अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके साथ ही मिल गेट के अलावा सभी गन्ना क्रय केंद्रों पर भी अलाव की व्यवस्था चीनी मिल अधिकारियों द्वारा अनिवार्य रूप से की जाए, ताकि किसानों को ठंड से राहत मिल सके।

निरीक्षण के दौरान संजय श्रीवास्तव (ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, पूरनपुर) के साथ गन्ना किसान श्रीदेव, करुणा शंकर, कमलेश कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहें।

साइबर क्राइम रोकथाम के लिए चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर। जाखौरा पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, जनपद ललितपुर के साइबर क्राइम सेल, थाना जखौरा पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में जनता के लोगों को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक किया गया तथा साइबर क्राइम से बचाव हेतु उपाय बताया गया । जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया । किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा प्लेस्टोर/आईओएस से जेनुइन ऐप ही डाउनलोड करें, इनके अतिरिक्त किसी अन्य प्लेटफॉर्म से कोई ऐप डाउनलोड न करें ।

किसी अनजान व्यक्ति से अपनी बैंकिंग सम्बंधी कोई भी डिटेल शेयर न करें तथा ओटीपी आदि मांगने पर न दें। सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते । किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने बिना उसे शेयर न करें, अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें तथा सिक्योरिटी फीचर हमेशा ऑन रखें । कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच या धमकी पर विश्वास न करें । सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण, सभी डिजिटल अकाउंट का स्ट्रांग पासवर्ड बनाएं तथा टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन की सेटिंग अनिवार्य रुप से ऑन रखें ।

साइबर फ्राड होने पर तत्काल अपनी शिकायत साइबर हेल्प लाइन नं0 1930, NCCRP पोर्टल पर शिकायत रजिस्टर्ड करने या www.cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करायें अथवा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने निकटतम थाने या डायल-112 पर सूचना दें, जिससे कि वित्तीय धोखाधड़ी होने पर साइबर क्राइम के गोल्डन ऑवर में सम्बं।

फर्जी तरीके से एटीएम से पैसा निकालने वाला हिरासत में

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के सगड़ी जीयनपुर पुलिस ने स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया परिसर में लगे एटीएम से एटीएम को हैक कर फर्जी तरीके से पैसा निकालने के संदेह में एक युवक को पकड़ लिया। जबकि दूसरा युवक मौके से फरार हो गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवकों की कार अपने कब्जे में ले लिया और पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है। इस मामले में थाने के प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि अभी इस मामले में कुछ खुलासा नहीं हो पाया है ना ही कोई पकड़ा गया है।जीयनपुर बाजार स्थित स्टेट बैंक से एटीएम में देर शाम लगभग 5 बजे कई युवक एक साथ घुस गए।एटीएम को हैंक कर फर्जी तरीके से पैसा निकालने का प्रयास कर रहे थे।

आसपास के कई लोगों की इन संदिग्ध युवकों पर नजर गई तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचते ही एक युवक उलझ गया इस बीच दूसरा फरार हो गया। पुलिस ने युवकों की कार को अपने कब्जे में ले लिया और थाने ले आई। पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन की जा रही है।

महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

ललितपुर । माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सख्त हिदायत दी गई।

वाराणसी में जापानी पर्यटकों से बदसलूकी

वाराणसी। वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर जापान से आए पर्यटकों के साथ बदसलूकी की गई। दरअसल, जापानी पर्यटक गंगा में स्नान करने जा रहे थे। तभी किसी ने उनपर गंगा में पेशाब करने का आरोप लगाया। हालांकि इस आरोप का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ स्थानीय लोग जापानी पर्यटकों के साथ अभद्र व्यवहार करते नजर आ रहे हैं। जापानी पर्यटक हाथ जोड़कर माफी मांगते रहे, इसके बाद भी उन्हें अपमानित किया जाता रहा। वीडियो में जापानी पर्यटक शांत और डरे हुए नजर आ रहे हैं। जबकि भीड़ में मौजूद कुछ लोग ऊंची आवाज में बात करते हुए उनके साथ बदसलूकी कर रहे हैं। ये भी कहा जा रहा है कि घाट पर सांता क्लॉज की टोपी पहनने के कारण लोग जापानी पर्यटकों पर गुस्सा हुए। इस मामले में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

यातायात पुलिस ने 6 माह में 22 हजार से अधिक वाहनों का किया चालान, 4.49 करोड़ का जुर्माना

यातायात नियमों का पालन : जीवन की सुरक्षा का संकल्प

ललितपुर। यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की। यातायात पुलिस ने कुल 22 हजार 7 39 वाहनों के चालान किए, जिन पर चार करोड़ 49 लाख 48 हजार 50 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस , ललितपुर द्वारा सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए जाने एवं यातायात नियमों के प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से विगत 06 माह के दौरान नियमित रूप से विशेष यातायात अभियान चलाये गये , जिसके अंतर्गत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग एवं प्रभावी रूप से प्रवर्तन की कार्यवाही की गई । विगत 06 माह के दौरान कृत कार्यवाही का विवरण निम्नवत है। दो पहिया वाहन चलाते समय हेल्मेट का उपयोग न करने पर किया गये चालानो की संख्या- 14,435 बिना नम्बर प्लेट/डिफाल्ट नम्बर प्लेट वाहनों के चालानों की संख्या- 1597 चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट न लगाने पर किये गये चालानो की संख्या- 665 वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने पर चालानों की संख्या- 509 वाहन को नो पार्किंग में पार्क करने पर चालानों की संख्या- 2350 वाहन का बीमा न होने पर चालानों की संख्या- 2640 नियम विरुद्ध ब्लैक फिल्म युक्त वाहनों के चालानो की संख्या- 397 लोकमार्ग पर वाहन का जोखिमपूर्ण प्रदर्शन(स्टंटिंग) पर चालानों की संख्या- 181जनपद में यातायात पुलिस, ललितपुर द्वारा लगातार जागरुकता अभियान चलाया गया एवं प्रभावी चेकिंग की गयी है, जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया गया है । विशेष अभियानों के माध्यम से नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्यवाही की गयी है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आई है। प्रवर्तन के साथ-साथ जागरूकता पर भी विशेष ध्यान दिया गया । स्कूलों, कॉलेजों, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे लोगों में नियमों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हुई है।

नदी पुनर्जीवन, स्वच्छता और जन-जागरूकता पर हुए अहम निर्णय

वाटर वारियर शारदा देवी जाएंगी गणतंत्र दिवस परेड देखने

ललितपुर। जिला गंगा समिति की मासिक समीक्षा बैठक मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी गौतम सिंह द्वारा बैठक का संचालन किया गया ।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में चल रहे नदी पुनर्जीवन, प्रदूषण नियंत्रण, वेस्ट मैनेजमेंट एवं जन-जागरूकता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा गणतंत्र दिवस 2026 की परेड देखने हेतु नदी स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाली तालबेहट निवासी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित वाटर वारियर शारदा देवी को नई दिल्ली आमंत्रित किया गया है।

पुनरोद्धार हेतु चयनित मडावरा ब्लॉक की बंडई नदी के लिए राज्य स्वच्छ गंगा मिशन से प्राप्त गाइडलाइन्स के अनुसार कार्ययोजना तैयार करने एवं बंडई नदी पुनरोद्धार समिति के गठन पर चर्चा हुई।

समिति के नोडल अधिकारी के चयन तथा स्थलीय निरीक्षण की तिथि तय करने पर सहमति बनी।

सिलेंडर ब्लास्ट से कानूनगो, मां और भाई जिंदा जले

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में सोमवार की शाम करीब 5 बजे दो मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। आग के बीच सिलेंडर में तेज धमाके हुए। इससे पूरे मकान में आग फैल गई। परिवार के लोग लपटों में फंस गए। उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

हादसे में कानूनगो, उनकी मां और भाई की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि पड़ोसी युवक बचाने में झुलस गया। घटना का सीसीटीवी सामने आया है।

धमाका इतना तेज था कि मकान में लगे शीशे टूटकर सड़क पर गिरे। इससे अफरा-तफरी मच गई। लोग सहम उठे। घरों से बाहर निकल आए। सूचना पाकर पुलिस के अधिकारी पहुंचे। घायल युवक को अस्पताल भेजा गया है।

शार्ट न्यूज

राज्यमंत्री ने दिवंगत लोगो को अर्पित की श्रद्धाजलि

पीलीभीत। गन्ना विकास एवं चीनी मिले राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने आज शहर में दिवंगत हुए लोगो की आत्मा की शान्ति के लिए हुई श्रद्धाजलि सभाओं में शामिल होकर श्रद्धाजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राज्यमंत्री श्री गंगवार शहर के प्रमुख चिकित्सक एवं समाज सेवी डा0 नरेन्द्र नाथ मिश्रा की विगत दिनो लम्बी बीमारी के बाद हुई मृत्यु के बाद आज दसवा स्थल पर हुई श्रद्धाजलि सभा में शामिल हुए और दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए उनके चित्र पर पुष्पाजलि अर्पित करते हुए श्रद्धाजलि अर्पित की। इस मौके पर शहर के बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकगण एवं परिजन मौजूद रहे। इसके बाद राज्यमंत्री श्री गंगवार आवास विकास कालोनी स्थित भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव के आवास पर पहुचे जहा विगत दिनों उनकी माताश्री का देहांत होने के बाद उनके चित्र पर पुष्पाजलि अर्पित कर श्रद्धाजलि अर्पित की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर भाजपा के कई पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे।

आगरा-मथुरा हाईवे पर चलती कार में लगी आग

आगरा। आगरा-मथुरा हाईवे पर सोमवार शाम चलती कार में आग लग गई। कुछ ही पलों में कार धू-धू कर जलने लगी। कार में सवार पिता-पुत्र ने कूद कर जान बचाई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। इस बीच हाईवे पर ट्रैफिक बाधित रहा। शाहगंज निवासी अकबर अपने पिता इसरार अहमद के साथ किसी काम से अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से सिकंदरा चौराहा से गुजर रहे थे। वे आगरा-मथुरा हाईवे पर थोड़ा आगे ही चले थे कि अचानक से इंजन की तरफ से बोनट में आग लग गई। पिता-पुत्र कुछ समझ पाते, जब तक आग ने जोर पकड़ लिया। कार से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। कार को सड़क किनारे लगाया और पिता-पुत्र गाड़ी से कूद गए। तब तक आग चारों तरफ फैल गई। आसपास मौजूद लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन ये नाकाफी रहा। कार के पेट्रोल टैंक में धमाका न हो जाए, इसलिए पहले तो कोई कार के ज्यादा नजदीक नहीं जा रहा था। सूचना के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई। लगभग एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। बताया जा रहा है-कुछ दिन पहले ही कार की सर्विस कराई थी।

मेरठ में बांग्लादेशी पीएम का पुतला फूंका

मेरठ। सोमवार शाम को मेरठ में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों और हत्याओं के विरोध में आक्रोश देखा गया। हिंदू रक्षादल और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली रोड पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए रिठानी से शॉपर्स प्रिक्स मॉल तक पदयात्रा निकाली। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला दहन कर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन में शामिल हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने मंदिरों पर हमले, घरों में आगजनी और हत्याओं की घटनाओं को मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन बताया। कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश सरकार पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। संगठनों ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस गंभीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाया जाए। उन्होंने बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की। पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो जैसे नारे लगाए।

ट्यूशन शिक्षक पर बच्ची से अश्लील हरकत का आरोप

जालौन। जालौन के कोंच कोतवाली क्षेत्र में ट्यूशन पढ़ाने वाले एक शिक्षक पर एक बच्ची से अश्लील हरकत करने का गंभीर आरोप लगा है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। आरोपी शिक्षक की पहचान 55 वर्षीय रमेश चंद्र निरंजन के रूप में हुई है, जो जालौन कोतवाली क्षेत्र के गांव खनुआं का निवासी है। वह पिछले कई वर्षों से कोंच कोतवाली के गांधी नगर मोहल्ले में रहकर घर-घर जाकर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता था। आरोप है कि रविवार दोपहर रमेश चंद्र कोंच की एक आवासीय कॉलोनी में बच्चों को पढ़ाने गए थे। उसी दौरान, जब बच्ची की मां ड्यूटी पर थी और बड़ी बहन बाहर गई हुई थी, शिक्षक ने घर का दरवाजा बंद कर बच्ची के साथ कथित तौर पर आपत्तिजनक हरकत की। आरोप है कि बच्ची की चीख निकलने पर शिक्षक ने उसे शांत कराया और वहां से चला गया। बच्ची को दर्द की शिकायत होने पर उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई।

डीएम-एसपी ने सड़क सुरक्षा बैठक में दिए निर्देश

रामपुर। जिले में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक डीएम सभागार में हुई। इसमें ब्लैक स्पॉट चिन्हित करने और स्पीड ब्रेकर निर्माण जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसके बाद डीएम और एसपी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन को मजबूत करना था। समिति ने जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिन स्थानों पर सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं, उन्हें ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया जाए। इन ब्लैक स्पॉट पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक और रोड मार्किंग जैसे आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे किए जाएं।

लखनऊ मेट्रो के ब्रेक जाम हुए

लखनऊ। लखनऊ में मुंशी पुलिया से एयरपोर्ट जा रही मेट्रो के ब्रेक जाम हो गए, जिससे यात्रियों में कुछ देर अफरा-तफरी मची रही। ट्रेन में करीब 500 की संख्या में यात्री मौजूद थे। मुंशी पुलिया पर ही 15 मिनट तक ट्रेन रुकी रही। इसके यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले में मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि यह कोई बड़ी घटना नहीं है। इसे सुरक्षित रूप से सही कर लिया गया। घटना सुबह करीब 10 बजे की है। ट्रेन यात्रियों को बैठाकर जैसे ही बढ़ी कि तुरंत झटके से रुक गई। इस दौरान यात्री घबरा गए। कुछ देर फंसे रहने के बाद कई यात्री उतर गए। प्लेटफार्म नंबर-1 पर सुबह करीब 10 बजे मुंशी पुलिया से एयरपोर्ट की तरफ ट्रेन जा रही थी। इस दौरान टेक्निकल फॉल्ट हो गया। इसके चलते ट्रेन रुक गई। मौके पर घटना होने पर कई यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए। मेट्रो के अधिकारियों का कहना है कि टेक्निकल फॉल्ट होने पर ब्रेक जाम हो जाता है। घटना के बाद मैनुअल रूप से ब्रेक को सही किया गया। इसमें करीब 15 मिनट का समय लगा।

झांसी में रेलवे कर्मचारी की संदिग्ध मौत

झांसी। झांसी में रेलवे कर्मचारी की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। वह मोहल्ले में हुई एक बर्थ-डे पार्टी में गए थे। वहां से पैदल घर के लिए निकले थे। घर से लगभग 100 मीटर दूर वह सड़क पर बेहोश पड़े मिले। परिजन उनको मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के नंदनपुरा का है। रेलवे कर्मी का नाम डालचंद (58) पुत्र विश्वनाथ श्रीवास था। वह सीपरी बाजार में नंदनपुरा में रहते थे। उनके भतीजे नवल किशोर श्रीवास ने बताया- मेरे चाचा डालचंद झांसी रेल मंडल में क्लर्क के पद पर कार्यरत थे। उनके रिटायरमेंट को लगभग दो साल बाकी थे। रविवार को छुट्टी थी, इसलिए वे ऑफिस नहीं गए थे। मोहल्ले में एक बर्थ-डे पार्टी थी। रात को पार्टी में शामिल होने के लिए चाचा गार्डन में गए थे। वहां से पैदल घर के लिए रवाना हुए थे। मगर घर नहीं पहुंचे। रात लगभग 10 बजे घर से लगभग 100 मीटर दूर वह बेहोश पड़े थे।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 30 दिसंबर 2025
Www.vishalindia.in

संक्षिप्त समाचार

कनाडा : 2026 में और सख्ती होगी स्टडी व वर्क परमिट में बड़ी कटौती

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में वर्ष 2025 भारतीयों सहित वैश्विक छात्रों और आप्रवासियों के लिए उथल-पुथल भरा रहा। बड़े पैमाने पर आव्रजन को लेकर सियासी दबाव का असर अब नीतियों में साफ दिखाई दे रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो की लोकप्रियता में गिरावट के पीछे अंतरराष्ट्रीय छात्रों और आप्रवासियों की बढ़ती संख्या को भी अहम कारण माना गया। त्रूदो ने 9 मार्च को मार्क कार्नी के लिबरल पार्टी नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ा और 2025 के संघीय चुनाव में भी हिस्सा नहीं लिया। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में नई सरकार ने आव्रजन नियमों में सख्ती बरकरार रखने का साफ संकेत दिया है। इसके चलते 2025 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। जनवरी 2024 में जहां स्टडी परमिट धारकों की संख्या 10 लाख से अधिक थी, वहीं दिसंबर 2025 तक यह घटकर करीब 7.25 लाख रह गई। कुल मिलाकर, 2026 में कनाडा में पढ़ाई और काम के रास्ते पहले से ज्यादा कठिन होंगे और भारतीय छात्रों-वर्कर्स को नए हालात के लिए खुद को तैयार करना होगा। उनकी कठिनाइयां बढ़ेंगी।

फिलीपीन सागर में भूकंप के तेज झटके, 6.6 रही तीव्रता

मनीला, एजेंसी। फिलीपीन के पूर्वोत्तर में स्थित फिलीपीन सागर में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.6 मापी गई। भूकंप भारतीय समयानुसार रात 8:35 बजे आया और इसका केंद्र जमीन से 65 किलोमीटर की गहराई में था। भू-वैज्ञानिकों के अनुसार, फिलीपीन प्रशांत अग्नि वलय क्षेत्र में स्थित है। यह क्षेत्र ज्वालामुखियों और टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल के लिए जाना जाता है।

वरिष्ठ श्रीलंकाई तमिल नेता डगलस देवानंद हिरासत में

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के वरिष्ठ तमिल राजनेता और पूर्व मंत्री डगलस देवानंद को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की। दरअसल, देवानंद को आधिकारिक रूप से जारी किया गया एक हथियार एक कुख्यात अपराधी के पास पाया गया था। उस अपराधी को 2020 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था और बाद में पुलिस मुठभेड़ में वह मारा गया। देवानंद ईलम पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में क्वाडकॉप्टर हमले में 2 सैनिकों की मौत

करांची, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक सुरक्षा चौकी पर क्वाडकॉप्टर से हुए हमले में कम से कम दो अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने टैंक जिले के सदर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में स्थित टैंक जाम चेक पोस्ट को निशाना बनाने के लिए विस्फोटकों से भरे क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया। सैनिकों की पहचान हवलदार आसिफ और सिपाही हाशिम के रूप में हुई है। इस घटना में एक सूबेदार समेत दो अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हमले के तुरंत बाद घायल कर्मियों को चिकित्सा उपचार के लिए डेरा इस्माइल खान ले जाया गया। सुरक्षा बलों और पुलिस की भारी टुकड़ियों ने इलाके को घेर लिया और अपराधियों को पकड़ने के लिए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

कोहरा बना काल... ग्वाटेमाला में बड़ा सड़क हादसा, बस खाई में गिरने से 15 लोगों की मौत, 19 घायल

ग्वाटेमाला , एजेंसी। मध्य अमेरिका स्थित देश ग्वाटेमाला में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक बस खाई में गिरने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। मृतकों में कई महिलाएं, पुरुष और एक नाबालिग भी शामिल है। वहीं, घटना के बाद अधिकारियों ने तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की भी घोषणा की। दुर्घटना टोटोनीकापन कस्बे के बाहर इंटरअमेरिकन रोड नामक मार्ग पर हुई। यह क्षेत्र घने कोहरे के लिए जाना जाता है। यहां विजिबिलिटी काफी कम हो जाती है कि इस वजह से वाहन चालकों को वाहन चलाने में बहुत मुश्किल होती है। हादसे को लेकर बताया गया कि बस ग्वाटेमाला सिटी से सैन मार्कोस की ओर जा रही थी, जो कि मेक्सिको सीमा से सटा इलाका है। इस दौरान अज्ञात वजह से बस करीब 75 मीटर गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में कोहरे को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। इस हादसे से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आई है, जिसमें बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त नजर आ रही है।

मात्र 2 सेकंड्स में 700 मील प्रति घंटा, चीन ने ट्रेन की रफ्तार का बना दिया नया वर्ल्डरिकॉर्ड

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने मैग्लेव तकनीक में एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। इसमें एक टन वजन वाले वाहन को केवल दो सेकंड में 700 किमी/घंटा (435 मील प्रति घंटा) की गति तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। मैग्लेव ट्रेन का परीक्षण 400 मीटर (1,310 फीट) की चुंबकीय तरलन (मैग्लेव) परीक्षण लाइन पर किया गया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद इसे सुरक्षित रूप से रोक भी लिया गया। इस स्पीड टेस्ट ने एक नया मील का पत्थर स्थापित हुई है। यह अब तक का दुनिया का सबसे तेज सुपरकंडक्टिंग इलेक्ट्रिक मैग्लेव बन गया। बता दें कि एक लंबी दूरी की कॉमर्शियल फ्लाइट की औसत रफ्तार करीब 547 से 575 मील प्रति घंटे के बीच होती है। वहीं, आमतौर पर चीन में ट्रेनें 217 किमी प्रति मील की रफ्तार से चलती हैं। यह ट्रेनें 5जी कनेक्टिविटी को भी सपोर्ट करती हैं। यहां तक कि लंबी टनल में भी यह रफ्तार कायम रहती है।

कैसा है यह परीक्षण : चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने गुरुवार (25 दिसंबर) को परीक्षण का फुटेज जारी किया। इसमें एक वाहन दिखाई दिया जो एक चेसिस जैसा दिख रहा था और मैग्लेव लाइन पर बिजली की तरह चल रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक वाहन ने तुरंत बेहद तेज रफ्तार पकड़ी और लाइन के अंत में उतनी ही तेजी से रुक गया। पीछे पीछे धुंध की एक लकीर सी नजर आ रही थी। यह टेस्ट कई मामलों में अहम था। इसने मुख्य तकनीकी चुनौतियों को भी हल किया। इनमें ज्यादा तेज स्पीड वाले विद्युत चुंबकीय प्रोपल्शन, इलेक्ट्रिक सस्पेंशन गाइडेंस, अस्थायी उच्च शक्ति ऊर्जा भंडारण इनवर्जन और उच्च-क्षेत्र सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट शामिल हैं।

हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की संभावनाएं : सीसीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक इस परीक्षण ने चीन को अल्ट्रा-हाई-स्पीड मैग्लेव तकनीक में ग्लोबल लेवल पर एंट्री का संकेत दिया है। इसने देश में वैक्यूम-पाइपलाइन मैग्लेव या हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की अधिक संभावनाओं की सीमा को भी बढ़ाया। मैग्लेव तकनीक में, रिपोर्ट के अनुसार ट्रेन पर मौजूद चुंबक पाइप की किनारों पर धातु के साथ कम्यूनिकेशन की क्षमता रखते हैं, जिससे ट्रेन को तैराया जा सकता है और इसे आगे की ओर धकेला जा सकता है। पटरियों को नहीं छूती है मैग्लेव ट्रेन टेस्ट का वीडियो सामने आया है, जिसमें ट्रेन बिजली की चमक की तरह ट्रैक पर दौड़ती नजर आती है और पीछे हल्की सी धुंध छोड़ जाती है। मैग्लेव ट्रेन की खास बात यह है कि यह पटरियों को छूती ही नहीं है। इसमें लगे ताकतवर मैग्नेट ट्रेन को हवा में उठा देते हैं और आगे की ओर धक्का देते हैं। चूंकि पहियों और पटरी के बीच कोई संपर्क नहीं होता, इसलिए घर्षण नहीं बनता और ट्रेन बहुत ज्यादा तेज रफ्तार से चल सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस ताकत से यह ट्रेन आगे बढ़ती है, उसी तकनीक का इस्तेमाल भविष्य में रॉकेट लॉन्च करने में भी किया जा सकता है। अगर इस तकनीक को पैसेंजर ट्रेनों में अपनाया गया, तो बड़े-बड़े शहरों के बीच का सफर कुछ ही मिनटों में पूरा हो सकेगा।

हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की नींव रख सकती है ये ट्रेन : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह तकनीक भविष्य की हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की नींव रख सकती है। हाइपरलूप में ट्रेनें वैक्यूम जैसी बंद ट्यूबों में बेहद तेज रफ्तार से चलेंगी, जिससे सफर और भी तेज और सुरक्षित हो जाएगा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में वैज्ञानिकों ने कई मुश्किल तकनीकी समस्याओं को हल किया है। इसमें बेहद तेज इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिस्टम से ट्रेन को आगे बढ़ाना, हवा में स्थिर रखना, अचानक बहुत ज्यादा बिजली की जरूरत को संभालना और ताकतवर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट का इस्तेमाल शामिल है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर ली जी ने कहा कि इस अल्ट्रा हाई-स्पीड मैग्लेव सिस्टम की सफलता से चीन में सुपरफास्ट ट्रेनों पर रिसर्च और विकास को नई दिशा मिलेगी और भविष्य में और तेज ट्रेनें बनाने का रास्ता खुलेगा। करीब 30 साल पहले इसी यूनिवर्सिटी ने चीन की पहली मैग्लेव ट्रेन बनाई थी, जिसमें लोग सफर कर सकते थे।

सिर्फ तीन देशों में ही चल रही है मैग्लेव ट्रेन : दुनिया में अभी बहुत कम देश हैं जहां मैग्लेव ट्रेन चल रही है या उस पर काम हो रहा है। चीन इस तकनीक में सबसे आगे है। जापान में भी मैग्लेव तकनीक काफी विकसित है। वहां टेस्ट ट्रैक पर ट्रेन 600 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड तक पहुंच चुकी है। टोक्यो और नागोया के बीच मैग्लेव लाइन बनाई जा रही है, हालांकि अभी यह आम यात्रियों के लिए पूरी तरह शुरू नहीं हुई है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से हजारों फ्लाइट कैंसिल

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के उत्तर-पूर्वी इलाकों में बर्फीले तूफान 'डेविन' के कारण अमेरिका में शनिवार को 9,000 से अधिक घरेलू उड़ानें रद्द या डिले हुईं। रॉयटर्स के मुताबिक तूफान ने क्रिसमस के बाद की हॉलिडे ट्रैवल को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। फ्लाइट इस तूफान के चलते न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राज्य आपातकाल घोषित करना पड़ा। फ्लाइट अवेयर के अनुसार, शुक्रवार से शनिवार तक अमेरिका में 2700 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल हुईं और हजारों देरी से चलीं। वहीं, शुक्रवार को 1802 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 22,349 उड़ानें डिले हुईं। जेटब्लू, डेल्टा, अमेरिकन और यूनाइटेड जैसी बड़ी एयरलाइंस ने सैकड़ों फ्लाइट्स रद्द कीं और यात्रियों को मुफ्त में टिकट बदलने की छूट दी है। नेशनल वेदर एजेंसी के मुताबिक, तूफान ने न्यूयॉर्क शहर को बर्फ की सफेद चादर से ढक दिया है। न्यूयॉर्क से लेकर लॉन्ग आइलैंड और कनेक्टिकट तक शनिवार की सुबह तक लगभग 6 से 10 इंच (15 से 25 सेंटीमीटर) बर्फ गिरी। वहीं शनिवार रात को 2 से 4 इंच बर्फबारी हुई, जिसमें सेंट्रल पार्क में 4.3 इंच बर्फबारी दर्ज की गई, जो 2022 के बाद सबसे अधिक है। फिसलन और कम विजिबिलिटी के कारण चेतावनी जारी कुछ जगहों पर ओले और जमाव वाली बारिश ने हालात और खराब कर दिए। नेशनल वेदर सर्विस ने विंटर स्टॉर्म वार्निंग जारी की थी, जिसमें फिसलन भरी सड़कें, कम विजिबिलिटी और पावर आउटेज की चेतावनी दी गई। न्यूयॉर्क गवर्नर कैथी होचुल ने राज्य के आधे से ज्यादा हिस्से में इमरजेंसी घोषित की और कहा, 'न्यूयॉर्क वासियों की सुरक्षा मेरी पहली प्राथमिकता है, इस तूफान में बेहद सावधानी बरतें।' पूरी रात सड़कें, फुटपाथ साफ करते रहे कर्मचारी सड़कों पर कमर्शियल व्हीकल्स पर बैन लगा दिया गया। कई हाईवे बंद कर दिए गए हैं और पेनसिल्वेनिया, मैसाचुसेट्स में भी विंटर एडवाइजरी जारी की गई। सफाई कर्मचारी पूरी रात सड़कें, फुटपाथ और एयरपोर्ट रनवे साफ करते रहे। टाइम्स स्क्वायर से लेकर सेंट्रल पार्क तक बर्फ हटाने के लिए स्नो प्लो और शोवल का इस्तेमाल हुआ। कुछ पर्यटकों ने बर्फबारी को खूबसूरत बताया, लेकिन ज्यादातर यात्रियों के लिए यह बड़ा झटका बना। एक पर्यटक ने कहा, 'यह बहुत ठंडा और अनएक्सपेक्टेड था।

लंदन में प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं से भिड़ गए खालिस्तानी, बांग्लादेश का खुलकर दिया साथ

लंदन, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की नृशंस हत्या की गूंज अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। हाल ही में लंदन स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर इस हत्याकांड के विरोध में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ। हालांकि, इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उस समय तनाव पैदा हो गया जब खालिस्तानी अलगाववादी समूह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बचाव में उतर आए। लंदन में रहने वाले बांग्लादेशी हिंदुओं ने दीपु दास की हत्या और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के खिलाफ उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन आयोजित किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि दोषियों को कड़ी सजा मिले और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हैरानी की बात यह रही कि इस प्रदर्शन का विरोध करने के लिए वहां खालिस्तानी समर्थक पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खालिस्तानी प्रदर्शनकारी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार की ढाल बनकर खड़े हो गए। उन्होंने न केवल हत्या का विरोध कर रहे हिंदुओं को डराने की कोशिश की, बल्कि उनके खिलाफ उकसाने वाले नारे भी लगाए। स्थिति को बिगड़ता देख लंदन पुलिस ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के बीच दीवार बनकर शांति बनाए रखने की कोशिश की।

भारत विरोध के लिए खालिस्तानी-कट्टरपंथी गठबंधन : यह घटना भारत विरोधी ताकतों के बीच बढ़ते गठजोड़ की ओर इशारा करती है। खालिस्तानी आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। हाल ही में पन्नू ने अमेरिका से एक वीडियो जारी कर बांग्लादेश के कट्टरपंथियों का समर्थन किया था। पन्नू ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को तोड़ने की एक नई साजिश रची है। उसने एक विवादास्पद मानचित्र जारी किया है, जिसमें असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नागालैंड को मिलाकर एक अलग देश बनाने का दावा किया गया है। पन्नू ने इस काल्पनिक देश का नाम 'ट्रम्पलैंड' रखा है। साथ ही, उसने अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाने की हिमाकत भी की है।

म्यांमार में पांच साल बाद आम चुनाव शुरू, तीन चरणों में आयोजित होगा

यांगून, एजेंसी। म्यांमार में रविवार को पांच साल बाद पहली बार आम चुनाव की शुरुआत हुई। यह देश के कई हिस्सों में चल रहे गृहयुद्ध के बीच सेना की निगरानी में हो रहा है। चुनाव तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पहला चरण 28 दिसंबर को 102 टाउनशिप्स में हुआ, दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा 25 जनवरी को होगा। नतीजे जनवरी के अंत तक आने की उम्मीद है। यांगून जैसे बड़े शहरों, राजधानी नायप्यिताव और अन्य जगहों पर स्कूलों, सरकारी इमारतों और धार्मिक स्थलों को मतदान केंद्र बनाया गया है। इस बार पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। शनिवार को यांगून में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त कर दी गई। मतदान केंद्रों के बाहर हथियारबंद गार्ड तैनात थे और सड़कों पर सेना के ट्रक गश्त लगा रहे थे। हालांकि विपक्षी संगठनों और सशस्त्र प्रतिरोध समूहों ने चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की धमकी दी थी, लेकिन कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह चुनाव सेना के शासन को लोकतंत्र का मुखौटा पहनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। फरवरी 2021 में सेना ने नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली थी। सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) ने 2020 के चुनाव में भारी जीत हासिल की थी, लेकिन सेना ने उसे दूसरा कार्यकाल नहीं करने दिया। अब सू ची 80 साल की उम्र में राजनीतिक आरोपों में 27 साल की जेल काट रही हैं। उनकी पार्टी को 2023 में सेना के नए नियमों के तहत रजिस्टर न करने पर भंग कर दिया गया। कई अन्य पार्टियां भी अनुचित शर्तों के कारण चुनाव में हिस्सा नहीं ले रही हैं या रजिस्ट्रेशन से इनकार कर दिया है। विपक्षी समूहों ने मतदान का बहिष्कार करने की अपील की है। एशियन नेटवर्क फॉर फ्री इलेक्शंस के अनुसार, 2020 में 73 प्रतिशत मतदाताओं ने ऐसी पार्टियों को वोट दिया था जो अब अस्तित्व में नहीं हैं। सेना समर्थित यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी (यूएसडीपी) की जीत तय मानी जा रही है। नए चुनाव कानून के तहत चुनाव की आलोचना पर कड़ी सजा का प्रावधान है, जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूरी तरह दबा दी गई है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा है कि देश में हिंसा और धमकियों का माहौल है, जहां अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण सभा की आजादी के लिए कोई जगह नहीं है। 2021 के तख्तापलट के बाद प्रदर्शन शुरू हुआ, जो अब पूर्ण गृहयुद्ध का रूप ले चुका है। सहायता संघ के अनुसार, तख्तापलट के बाद से 22,000 से ज्यादा लोग राजनीतिक कारणों से जेल में हैं और सुरक्षा बलों ने 7,600 से अधिक नागरिकों की हत्या की है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, गृहयुद्ध से 36 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। तीन चरणों में होगा म्यांमार में चुनाव सत्ता हस्तांतरण की वजह से म्यांमार में व्यापक जनविरोध पैदा हुआ, जो गृहयुद्ध में तब्दील हो गया। इस संघर्ष ने कई विवादित क्षेत्रों में चुनाव कराना जटिल बना दिया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में तीन चरणों में मतदान होगा। चुनाव का दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। मानवाधिकार और विपक्षी समूहों का कहना है कि मतदान न तो स्वतंत्र होगा और न ही निष्पक्ष, और सत्ता शायद सैन्य नेता सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग के हाथों में ही रहेगी। आलोचकों को नागरिक शासन की वास्तविक बहाली पर शक है।

सरकार पर रहेगा सेना का दबदबा : इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के म्यांमार विश्लेषक रिचर्ड हॉर्सी ने कहा कि यह चुनाव उसी सेना की ओर से कराया जा रहा है, जो 2021 के तख्तापलट के पीछे थी। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा, 'ये चुनाव बिल्कुल भी विश्वसनीय नहीं हैं। इनमें उन राजनीतिक दलों में से कोई भी शामिल नहीं है जिन्होंने पिछले चुनाव या उससे पहले के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था।'

अमेरिका ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का किया आग्रह

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की निर्ममता से हत्या को लेकर दुनियाभर में निंदा हो रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में हुई इस धार्मिक हिंसा की निंदा की है। साथ ही, एक प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटर ने दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग को भयानक बताया और बिना शर्त धार्मिक नफरत की निंदा करने की अपील की। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं से जुड़े सवाल पर अमेरिकी प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, 'संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है।' प्रवक्ता ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक हिंसा की कड़ी निंदा करता है। साथ ही हम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का स्वागत करते हैं। अमेरिकी सीनेटरों ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रो खन्ना ने इस हत्या को 'भयानक' बताया और धार्मिक नफरत की कड़ी निंदा करने का आग्रह किया। रो खन्ना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'बांग्लादेश में 27 वर्षीय हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की हत्या भयानक है और मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं दीपू के दोस्तों और परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा, 'हमें नफरत और कट्टरता के इन घिनौने कृत्यों की कड़ी निंदा करनी चाहिए और उनके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। बांग्लादेश के भालुका के एक कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की 18 दिसंबर को जान चली गई थी। ईशनिंदा के आरोप लगाकर भीड़ ने उस पर हमला किया, पीट-पीटकर मार डाला और उसकी बॉडी को जला दिया। इस हत्या ने देश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों विशेष रूप से हिंदुओं की स्थिति पर जांच बढ़ा दी है। एडवोकेसी समूहों का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले बढ़े हैं।

उन्होंने कई क्षेत्रों में भीड़ हिंसा, तोड़फोड़ और धमकी की घटनाओं का हवाला दिया है। हालांकि विदेश विभाग ने राजनयिक मुलाकातों के बारे में विवरण नहीं दिया, लेकिन आईएएनएस को दिए गए अपने जवाब में उसने धार्मिक हिंसा की निंदा पर जोर दिया। साथ ही सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश के अंतरिम अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत किया।

बालेन शाह बने नेपाल में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार, आम चुनाव के लिए आरएसपी के साथ हुआ समझौता

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, को रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया, क्योंकि उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रात भर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्रीय समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता और प्रधानमंत्री पद का चेहरा नामित किया गया। वहींस रबी लामिछाने भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी, ऋस्क के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा।

बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे। 'व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों का ध्यान' समझौते के बाद लामिछाने ने कहा कि आम सहमति में व्यक्तिगत नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने रविवार सुबह फेसबुक पोस्ट में ये बातें साझा कीं। समझौते में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवा पीढ़ी की ओर से शुरू किए गए आंदोलन की जिम्मेदारी ली है। आंदोलन के दौरान घायल हुए लोगों सहित जेनरेशन जेड के प्रदर्शनकारियों की उठाई गई मांगों को पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समझौता उन उभरती हुई युवा नेतृत्व वाली राजनीतिक ताकतों को एकजुट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने सितंबर आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसके कारण केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी। गठबंधन में कुलमान घिसिंग की पार्टी भी हो सकती है शामिल इस समझौते के बाद, बड़ी संख्या में जनरेशन जेड के समर्थकों के आरएसपी में शामिल होने की उम्मीद है। ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग के नेतृत्व वाली एक अन्य नवगठित उज्यालो नेपाल पार्टी (यूएनपी), जिसने एकता और सहयोग पर बालेन के साथ कई दौर की बातचीत की है, ने अभी तक गठबंधन में शामिल होने के बारे में कोई निर्णय नहीं सुनाया है।

इजरायल का एक फैसला और दो खेमों में बंटने लगी दुनिया

तेल अवीव, एजेंसी। सोमालिया से अलग हुए क्षेत्र को सोमालीलैंड के रूप में मान्यता देने को लेकर पूरी दुनिया दो खेमों में बंटी नजर आ रही है। इजरायल वह पहला देश है जिसने सोमालीलैंड को राष्ट्र कि मान्यता दे दी है। वहीं इजरायल का सदाबहार दोस्त अमेरिका भी इसपर राजी नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ तौर पर सोमालीलैंड को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। वहीं अफ्रीका के क्षेत्रीय संघों ने भी सोमालीलैंड को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के विरोध किया है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, मैं सोमालीलैंड के राष्ट्रपति डॉ. अबदीरहमान मोहम्मद अबदुल्लाह को बधाई देता हूं और उनके नेतृत्व की प्रशंसा करता हूं। मैं उन्हें इजरायल के दौरे के लिए आमंत्रित कर रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसा कोई भी फैसला नहीं करने वाला है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सोमालीलैंड जैसे किसी देश के बारे में ज्यादा विचार नहीं किया है। बता दें कि जल्द ही डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात भी होने वाली है। पिछले 30 से अधिक वर्षों में किसी भी देश द्वारा सोमालीलैंड को पहली बार मान्यता दी गई है। सोमालीलैंड ने 1991 में सोमालिया से स्वतंत्रता की घोषणा की और अपनी सरकार और मुद्रा होने के बावजूद, शुक्रवार तक दुनिया के किसी भी देश द्वारा इसे मान्यता नहीं दी गई थी। अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने कहा कि सोमालिया की संप्रभुता को कमजोर करने का कोई भी प्रयास महाद्वीप पर शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ ''सोमालीलैंड को एक अलग देश के रूप में मान्यता देने के उद्देश्य से किसी भी पहल या कार्रवाई को दृढ़ता से खारिज करता है। यह विशेष रूप से उल्लेख किया जा रहा है कि सोमालीलैंड सोमालिया के संघीय गणराज्य का अभिन्न अंग बना हुआ है। सोमालिया की संघीय सरकार ने शुक्रवार को इजराइल द्वारा सोमालीलैंड को मान्यता देने के कदम को गैरकानूनी बताते हुए इसका पुरजोर खंडन किया और इस बात की पुष्टि की कि उत्तरी क्षेत्र सोमालिया के संप्रभु क्षेत्र का अभिन्न अंग बना हुआ है। यह पता नहीं चल पाया कि इजराइल ने इस समय यह घोषणा क्यों की या क्या वह बदले में कुछ उम्मीद कर रहा है। इस साल की शुरुआत में अमेरिका और इजराइली अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया था कि इजराइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तत्कालीन योजना के तहत गाजा से फलस्तीनियों को शरण देने के लिए सोमालीलैंड से संपर्क किया था। हालांकि, अमेरिका ने बाद में वह योजना छोड़ दी। इजराइल-हमास युद्ध में प्रमुख मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले मिस्र के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह सोमालीलैंड को इजराइल द्वारा दी गई मान्यता को खारिज करता है तथा सोमालिया की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए पूर्ण समर्थन पर जोर देता है। पूर्वी अफ्रीकी शासी निकाय आईजीएडी ने एक बयान में कहा कि सोमालिया की संप्रभुता को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त है। बयान में कहा गया, 'किसी भी प्रकार की एकतरफा मान्यता संयुक्त राष्ट्र संहिता, अफ्रीकी संघ के स्थापना अधिनियम और आईजीएडी की स्थापना करने वाले समझौते के विपरीत है।' सोमालिया के सदाबहार साथी तुर्की ने भी इजरायल के फैसले की निंदा की है। तुर्की का कहना है कि इजरायल सोमालिया के आंतरिक मामलों में दखल दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल अब अन्य देशों का भी समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा ताकि सोमालीलैंड को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सके।

मंधाना ने 10,000 रन पूरे कर मिताली का रिकार्ड तोड़ा

सबसे अधिक छक्के लगाने वाली खिलाड़ी भी बनी

त्रिवेंद्रम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने यहां श्रीलंका के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान दो बड़े रिकार्ड भी अपने नाम किये है। इस मैच में मंधाना ने अपनी 80 रनों की पारी के दौरान ही 10,000 रन पूरे किये। वहीं मंधाना ये आंकड़ा सबसे तेजी से हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर बन गई हैं। मंधाना ने जैसे ही अपने 27 रन बनाये वह 10000 रन बनाने वाली क्रिकेटर बन गयीं। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने रन बनाने वाली वह चौथी खिलाड़ी है। इससे पहले भारत की मिताली राज, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और इंग्लैंड की शार्लोट एडवर्ड्स ने ही इतने रन बनाये थे।

इसी के साथ ही मिताली राज का सबसे तेज 10000 रनों का रिकार्ड भी टूट गया। मंधाना ने अपने दस हजार रन 281 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बनाये जबकि मिताली ने ये रन 291 मैचों में बनाये थे। इसी के साथ वह महिला क्रिकेट में सबसे तेजी से 10,000 रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं हैं। वहीं इस मैच में तीन छक्के लगाते ही उनके कुल 78 छक्के हो गये हैं और वह सबसे अधिक छक्के लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी है। इससे पहले भारत की ओ से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 186 ञ्20ढ्ढ मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे। हरमनप्रीत ने 186 टी20 मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे । वहीं मंधाना ने केवल 157 टी20ढ्ढ मैचों में ही 80 छक्के लगा दिये। इससे वह भारतीय महिला टी20 क्रिकेट में छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर पहुंच गयी हैं।

ग्लोब सॉकर अवार्ड्स 2025: रोनाल्डो को बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर अवार्ड, पीएसजी को मिले कई अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। सऊदी प्रो लीग क्लब में अल-नसर टीम की ओर से खेल रहे पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स 2025 के दौरान बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर का अवार्ड दिया गया है। इस अवसर पर खुशी जताते हुए रोनाल्डो ने कहा कि इस खेल के प्रति उनकी दीवानगी बनी हुई है। उनका लक्ष्य अभी अपने करियर में 1,000 गोल दागना है।

यह अवार्ड सऊदी प्रो लीग क्लब में उनका प्रभाव दिखाता है क्योंकि उन्हें लगातार दूसरे साल ये समान मिला है।

रोनाल्डो ने हाल ही में अल नसर की ओर से दो गोल दागकर अपने क्लब और पुर्तगाल की ओर से कुल गोल की संख्या 956 तक पहुँचा दी है। ऐसे में अब वह एक या दो साल में 1,000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

रोनाल्डो ने अवार्ड लेते समय कहा, बढ़ती उम्र में खेलना कठिन है पर मैं प्रेरित हू। मेरा जुनून अभी भी बना हुआ है और मैं खेल जारी रखना चाहता हू। चाहे मैं मध्य पूर्व में खेलूं या यूरोप में, मुझे हमेशा फुटबॉल खेलना पसंद है।

इस खिलाड़ी ने कहा कि उनका ध्यान अभी भी ट्रॉफी जीतने पर है और लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह पूरी मेहनत कर रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर वह फिट रहे तो 1000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

इस अवार्ड समारोह में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के खिलाड़ी छाये रहे। उसके खिलाड़ी उस्माने डेम्बेले को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी,वहीं एटाना बॉनमाटे को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया । वहीं पीएसजी के ही लुइस एनरिके को सर्वश्रेष्ठ कोच, विटिंहा को सर्वश्रेष्ठ बेस्ट मिडफील्डर, लामिने यमाल को सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड व डेज़री डाउ को सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला।

रोहित और विराट इस कारण विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर में नहीं उतरे

मुम्बई (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर के मुकाबल सोमवार से शुरु हुए हालांकि इसमें अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी और रोहित शर्मा नहीं उतरे। विराट और रोहित ने शुरुआती दोनो ही दौर में दिल्ली और मुंबई की ओर से खेला था। दिल्ली तीसरे दौर के मैच में सौराष्ट्र, वहीं मुंबई की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ उतरी।

विराट ने दिल्ली के लिए अपने दो मैचों में काफी रन बनाये। आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्होंने 131 जबकि गुजरात के खिलाफ 77 रन बनाये। दूसरी ओर रोहित शर्मा ने सिक्किम के खिलाफ 155 रन बनाये पर उत्तराखंड के खिलाफ वह शून्य पर ही आउट हो गये।

रोहित और विराट इस मैच में खेलने इसलिए नहीं उतरे क्योंकि शुरुआत में ही दोनो ने दो-दो मैच खेलने की बात कही थी। दोनो को ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इन दोनों दिग्गजों ने केवल दो मैचों खेलने पर सहमति दी थी जो पूरे हो गये, इसलिए ये तीसरे मैच में नहीं उतरे।

ये अब विराट और रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस टूर्नामेंट में आगे खेलते है या नहीं। अगले साल की शुरुआत में 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को 3 मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलनी है, ऐसे में अगर ये दोनो ही विजय हजारे ट्रॉफी के और मैचों में खेलते हैं तो इन्हें अभ्यास का अच्छा अवसर मिल सकता है। इसी को देखते हुए कोहली 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित के अब विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से आगे खेलने की संभावना नहीं है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है हालांकि ये दोनो टी20 सीरीज में खेलेंगे जिससे 2026 टी20 विश्व कप के लिए लय हासिल कर लें। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम सीधे ही विश्वकप में उतरेगी। ऐसे में बुमराह और पंड्या के सभी पांच मुकाबले खेलने की संभावना है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम आज श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच को जीतकर सीरीज 5-0 से अपने नाम करने उतरेगी । भारतीय टीम ने शुरुआती चार मैचों को जिस प्रकार आसानी से जीता है। उससे ये मुश्किल नजर नहीं आ रहा है। अब वह अंतिम मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन को आंकने का अवसर भी टीम प्रबंधनक को मिल रहा है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'यह सीरीज अब तक काफी अच्छी रही है। पिछले विश्व कप के बाद से ही हमने इसी बात पर बात की थी कि हमें अपने स्तर को ऊपर उठाना होगा और टी20 में सफल होने आक्रामक रुख अपनाना होगा।

इस सीरीज में अब तक भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पिछले मैच में शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाये थे। वहीं गेंदबाजों वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।

ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।

भारतीय टीम को हालांकि अपने क्षेत्ररक्षण को बेहतर बनान होगा। वह अभी तक इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। पिछले मैच में भी उसने विरोधी टीम के कैच और स्टंपिंग के अवसर खोये।

तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने एक साल बाद इस वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं दीप्ति शर्मा भी अच्छा प्रदर्शन करती आयी हैं। स्पिनर वैष्णवी ने अभी तक सीरीज में 5.73 की इकॉनमी रेट से चार विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में शेफाली ने अब तक चार मैचों में तीन अर्धशतक बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 185.82 का है।

मंधाना के अच्छे फार्म में होने से भी टीम को लाभ हुआ है। इस बल्लेबाज ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 48 गेंद पर 80 रन बनाए और वह अपनी इस लय को बरकरार रखने का प्रयास करेंगी। शेफाली और मंधाना ने चौथे मैच में आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल 92 गेंदों में ही तेजी से 162 रन बनाये थे। ये महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की तरफ से पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही है। वहीं चौथे मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा और उसने केवल 16 गेंदों में नाबाद 40 रन बनाकर इस फैसले को सही करार दिया। अब तक इस सीरीज में पहले तीन मैचों में गेंदबाज हावी रहे और कम स्कोर बने पर चौथे मैच में बल्लेबाज छाये रहे। भारतीय टीम ने जहां 221 रन बनाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 191 रन बना दिये। इससे तय है कि पांचवें मैच में टक्कर अच्छी होगी। मेहमान टीम श्रीलंका का लक्ष्य इस मैच को जीतकर क्लीन स्वीप से बचना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

विजय हजारे ट्रॉफी : गोवा के खिलाफ मैच में खेलते नजर आयेंगे यशस्वी

नई दिल्ली । युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बल्लेबाजी करते दिखेंगे । यशस्वी शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम की ओर से 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच में खेलते हुए नजर आयेंगे । मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी के अनुसार यशस्वी पेट की तखलीफ के कारण शुरुआती दो मैचों से बार रहे थे । यशस्वी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग मैच के बाद पेट में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके कारण उन्हें एक सप्ताह का आराम दिया गया था । प्राप्त जानकारी के वह 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच खेलेंगे । विजय हजारे ट्रॉफी में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा शुरुआती दो मुकाबलों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर नजर आए थे । वहीं अब यशस्वी उनकी जगह पारी की शुरुआत करेंगे । वह अन्य मैच भी खेल सकते हैं । इसके बाद भारतीय टीम को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है जिसमें उन्हें अवसर मिल सकता है। यशस्वी ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी. इसके बाद उन्होंने 14 दिसंबर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ 101 रन बनाए थे ।

आईपीएल 2026 में मार्कराम पर रहेंगी नजरें, सुपर जायंट्स ने भरोसा बनाये रखा

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे । मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं । मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे । इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे । इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है । मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया । मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं । उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे । जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा । मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे । यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते । इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं । इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज़्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए । मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीतें । इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आशाजनक है । आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले । ऋषभ पंत ने कप्तान के रूप में पद संभाला, जहीर खान टीम के संरक्षक थे । फिर भी, टीम प्लेऑफ से चूक गई, अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही । अब टीम का लक्ष्य इस सत्र में वापसी करना रहेगा ।

साल 2025 में विश्व कप के बाद महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू कई गुना बढ़ी

-करार के लिए विज्ञापनादाता कंपनियों की लगी कतार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल महिला विश्वकप क्रिकेट ट्रॉफी जीतने के बाद ही भारतीय टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू बढ़ने से उनपर पैसे की बरसात हुई है।

टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू एकदम से बढ़ी है और उनके साथ करार के लिए कई कंपनियां आतुर हैं। स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू दोगुनी से भी अधिक हो गयी है।

इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन में शामिल करने के लिए ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हैं। इसके अलावा खेल सामग्री बनाने वाली कंपनियां, जीवनशैली, सौंदर्य प्रसाधन से जुड़ी कंपनियां भी इन्हें अपना ब्रांड एंबेस्डर बनाना चाहती हैं। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली कंपनियां भी इससे उत्साहित हैं और उनका मानना है कि ऐसा पहली बार हुआ है। इससे तय है कि महिला क्रिकेटरों का भविष्य उज्जवल है।

प्रबंधन से जुड़ी कंपनियों की एक प्रमुख ने कहा, 'हम उनके ब्रांड मूल्य में तेज उछाल देख रहे हैं। शीर्ष स्तर की किसी खिलाड़ी के विज्ञापन मूल्य में दो से तीन गुना तक बढ़ोतरी हो गई है। जेमिमा की कीमत 60 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 1.5 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। शैफाली की कीमत 40 लाख रुपये से बढ़कर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। हमें शीर्ष खिलाड़ियों के लिए 25-55 फीसद की बढ़त की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, 'हमें यह भी उम्मीद है कि यह जीत वाणिज्यिक बाजार में महिला क्रिकेट को मजबूत करेगी, जहां ब्रांड अल्पकालिक अभियान के बजाय दीर्घकालिक साझेदारी पर ध्यान देते हैं। महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी ने भी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि में योगदान दिया है। उन्होंने बताया, 'जेमिमा के फॉलोअर्स की संख्या दोगुनी 33 लाख हो गई है और शैफाली के फॉलोअर्स की संख्या में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। बड़ा बदलाव यह है कि ब्रांड अब उन्हें केवल क्रिकेट सत्र तक सीमित चेहरे के रूप में नहीं देखते हैं और इससे खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि हो रही है।

महिलाएं उन ब्रांडों का प्रचार करके एक और सफलता हासिल करने के लिए तैयार हैं, जिनका अब तक प्रचार पुरुष खिलाड़ी करते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम भारत में महिला खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल तथा शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योगों में रुचि देख रहे हैं। उत्साहजनक बात यह है कि शीर्ष महिला क्रिकेटर अब उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रही हैं जिन्हें पहले पुरुष-प्रधान माना जाता था। स्मृति हुंडई, गल्फ ऑयल, एसबीआई बैंक, पीएनबी मेटलाइफ जैसे ब्रांडों से जुड़ी हैं, जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र रहे हैं।

डकार में चार पहिया वर्ग में इकलौते भारतीय टकाले कार रैली में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली । कार रैली ड्राइवर संजय टकाले लगातार दूसरी बार डकार रैली में चार पहिया वाहन वर्ग के 'क्लासिक श्रेणी (विंटेज कार रैली प्रतियोगिता)' में चुनौती पेश करने को तैयार है । वह इस वाहन वर्ग में इकलौते भारतीय रैली ड्राइवर होंगे । डकार रैली का आयोजन तीन से 17 जनवरी तक सऊदी अरब में होगा । टकाले डकार रैली के पिछले आयोजन में कुल 18वें और अपनी श्रेणी में 10वें पायदान पर रहे थे । फ्रांस के नेविगेटर मैक्सिम राउद के साथ 57 साल के ताकले टीम एयरोस्पेस रेसर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे । उन्हें फ्रांस की कंपनी सहारियन से तकनीकी और लॉजिस्टिक्स सहायता मिलेगी । ताकले के तीन दशक लंबे करियर में एशिया-पैसिफिक प्रोडक्शन कप का खिताब जीतने के साथ विश्व रैली की चुनिंदा चैम्पियनशिप प्रतियोगिताओं में भाग लेना शामिल है । उन्होंने 2025 डकार क्लासिक को पूरा करने को अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया । टकाले ने कहा, 'मेरा लक्ष्य इस प्रतियोगिता को दोबारा पूरा करने के साथ निरंतरता और अनुशासन के साथ पिछले वर्ष के परिणाम से बेहतर करना है । डकार सिर्फ रैली रेस प्रतियोगिता नहीं है, यह सहनशक्ति और हौसले की परीक्षा है ।'

बीसीसीआई का बड़ा बयान: गौतम गंभीर को हटाने की कोई योजना नहीं, अटकलें निराधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि बोर्ड गौतम गंभीर की जगह किसी नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर विचार कर रहा है। इससे पहले, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण से गौतम गंभीर की जगह भारत के अगले टेस्ट कोच बनने के लिए संपर्क किया गया था। ये खबरें तब सामने आईं जब गौतम गंभीर की कप्तानी में भारत को घर पर दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से करारी हार का सामना करना पड़ा। लगातार दो सालों में यह उनकी दूसरी करारी हार थी, इससे पहले पिछले साल इसी कोच के नेतृत्व में न्यूजीलैंड से 0-3 की शर्मनाक हार हुई थी।

न्यूजीलैंड से मिली करारी हार ने कभी मजबूत स्थिति में रही भारतीय टीम को आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने से वंचित कर दिया। प्रोटियाज को मिली इस ताजा हार के चलते आगे के नतीजों के आधार पर उन्हें इस प्रतिष्ठित एकमात्र टेस्ट चैम्पियनशिप मुकाबले में भी जगह बनाने से चूकना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि गौतम गंभीर को भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से नहीं हटाया जाएगा।

शुक्ला ने एएनआई को बताया कि मैं मुख्य कोच गौतम गंभीर के बारे में मीडिया में चल रही अटकलों के संबंध में यह स्पष्ट करना चाहता हूं। बीसीसीआई सचिव (देवजीत सैकिया) ने भी स्पष्ट कर दिया है कि गंभीर को हटाने या भारत के लिए एक नया मुख्य कोच लाने की कोई योजना नहीं है। इससे पहले, एएनआई से बात करते हुए, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व समूह में कोई बदलाव नहीं किया है।

सैकिया ने कहा कि यह खबर पूरी तरह से गलत है। यह पूरी तरह से अटकलबाजी है। कुछ प्रतिष्ठित समाचार एजेंसियां ??भी इसे प्रसारित कर रही हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीसीसीआई इसका सीधा खंडन करता है। लोग जो चाहें सोच सकते हैं, लेकिन बीसीसीआई ने कोई कदम नहीं उठाया है। यह किसी की कोरी कल्पना है; इसमें कोई सच्चाई नहीं है, और मैं इसके अलावा कुछ नहीं कह सकता कि यह तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार खबर है।

अब, भारत के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती टेस्ट क्रिकेट नहीं, बल्कि पिछले साल रोहित शर्मा की कप्तानी में जीती गई टी20 विश्व कप ट्रॉफी का बचाव करना है। 7 फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एक नई टीम के साथ उतरेगा। भारत मुंबई में उसी दिन अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और उसे ग्रुप ए में पाकिस्तान, नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एटकिंसन एशेज के अंतिम टेस्ट से बाहर हुए

सिडनी । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं । एटकिंसन को मेलबर्न में खेले गये चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में चोट लग गयी थी । एशेज का पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 4 से 8 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा । एटकिंसन का बाहर होना मेहमान टीम इंग्लैंड के लिए करारा झटका है क्योंकि इस गेंदबाज ने चौथे टेस्ट में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अनुसार एटकिंसन को बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है जिसके कारण वह इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट पायी गयी है जिसके लिए उन्हें आराम करना पड़ेगा । एटकिंसन को चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के दौरान पांचवां ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था । ईसीबी के अनुसार इस तेज गेंदबाज की जगह किसी और खिलाड़ी का बुलाने का उसका कोई इरादा नहीं है। एटकिंसन ने इस सीरीज में पहले, दूसरे और चौथे टेस्ट मैच में खेला था । पहले मैच में वह विकेट नहीं ले पाये थे पर उन्होंने दूसरी पारी में 37 रन बनाये थे । वहीं दूसरे मैच में एटकिंसन ने एशेज में अपना पहला विकेट लिया । वहीं दूसरी पारी में दो विकेट लिए थे । तीसरे टेस्ट में उन्हें शामिल नहीं किया गया था ।

केंद्र सरकार ने दो नई शिपबिल्डिंग योजनाएं लॉन्च कीं

- योजनाओं पर होगा 44,700 करोड़ से अधिक का निवेश

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश की जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाने और भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दो अहम योजनाओं का ऐलान किया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ये योजनाएं हैं- शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम (एसबीएफएएस) और शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस)। इन दोनों पर कुल 44,700 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे। एसबीएफएएस के तहत सरकार 24,736 करोड़ रुपए का कोष बनाएगी। इसके अंतर्गत जहाज निर्माण पर उसकी श्रेणी के अनुसार 15 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी जाएगी। छोटी, बड़ी और विशेष प्रकार की जहाजों के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं। सहायता चरणबद्ध माइलस्टोन के आधार पर दी जाएगी। अगले 10 वर्षों में एसबीएफएएस से लगभग 96,000 करोड़ रुपए के जहाज निर्माण प्रोजेक्ट्स को समर्थन मिलने की संभावना है। एसबीडीएस का बजट 19,989 करोड़ है।

यह योजना नए ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर बनाने, मौजूदा शिपयार्ड का आधुनिकीकरण, और इंडिया शिप टेक्नोलॉजी सेंटर में रिसर्च, डिजाइन और स्किल डेवलपमेंट पर केंद्रित है।

ग्रीनफील्ड क्लस्टर को 100 फीसदी पूंजी सहायता और पुराने शिपयार्ड के विस्तार को 25 फीसदी सहायता दी जाएगी। नेशनल शिपबिल्डिंग मिशन के माध्यम से योजनाओं में समन्वय और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही, जहाज स्क्रैप करने वाले मालिकों को 40 फीसदी क्रेडिट नोट देने की नई व्यवस्था से रिसाइक्लिंग और नए जहाज निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। आधुनिक तकनीक और कुशल श्रमिकों के दम पर 2047 तक भारत की जहाज निर्माण क्षमता 4.5 मिलियन ग्रॉस टन प्रति वर्ष तक पहुचने का लक्ष्य है।

भारत में क्विक कॉमर्स ने बदल दी खुदरा खरीदारी की तस्वीर

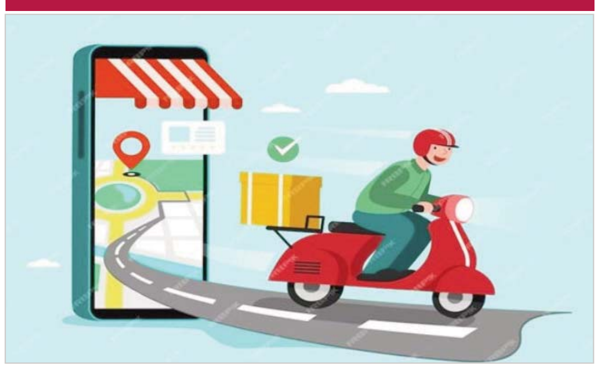

150 से अधिक शहरों में 3.3 करोड़ मासिक उपभोक्ता

नई दिल्ली ।

2025 में भारत के खुदरा परिदृश्य में बुनियादी बदलाव आया है। पारंपरिक ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स का एकीकरण अब योजनाबद्ध खरीदारी और तत्काल जरूरतों के बीच की दूरी लगभग समाप्त कर चुका है। शुरुआत में सिर्फ 10 मिनट में किराना पहुंचाने की पहल बहु-अरब डॉलर के उद्योग में बदल चुकी है। अब उपभोक्ता यह नहीं सोचते कि क्या यह पहुंचेगा? बल्कि सवाल होता है कि कितने मिनट में पहुंचेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार क्विक कॉमर्स भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला खुदरा प्रारूप बन गया है। 150 से अधिक शहरों में इसका 3.3 करोड़ मासिक उपभोक्ता आधार है। घरेलू आय में वृद्धि और सुविधा को प्राथमिकता देने वाले शहरी वर्ग के लिए यह पसंदीदा खरीद माध्यम बन गया है। अमेज़न और फ्लिपकार्ट ने एमेजान नाउ और फ्लिपकार्ट मिनट जैसी सेवाओं की शुरुआत की है, जो 30 मिनट से कम में आपूर्ति सुनिश्चित करती हैं। तेज आपूर्ति अब उद्योग का नया मानक बन चुकी है। डार्क स्टोर अब छोटे मोहल्ला केंद्रों से विकसित होकर 10,000-12,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले मेगापॉड्स में बदल गए हैं। इन बड़ी इकाइयों में 50,000 से अधिक वस्तुएँ स्टोर की जा सकती हैं, जिससे महंगी वस्तुएं भी मिनटों में पहुंचाई जा सकती हैं।

2026 में बाजार में और अधिक एकीकरण, श्रेणियों का विस्तार और नियामकीय संतुलन देखने को मिलेगा। शीर्ष कंपनियां अपनी स्थिति मजबूत करेंगी और तेज आपूर्ति की श्रेणी और बढ़ेगी।

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ी, महंगे होंगे दाम

- सेंट्रल एक्साइज बिल, 2025 को संसद में मिली मंजूरी

नई दिल्ली।

सेंट्रल एक्साइज (संशोधन) बिल, 2025 को हाल ही में संसद ने मंजूरी दी है। इस बिल के तहत सिगरेट, सिगार, हुक्का, खैनी और स्मोकिंग मिक्सचर जैसे तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि की गई है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इसे पेश किया था। सरकार का उद्देश्य तंबाकू खपत को कम करना और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों में कटौती करना बताया जा रहा है। बिल के अनुसार, सिगरेट पर लगने वाला उत्पाद शुल्क प्रति 1,000 स्टिक 200-735 रुपये से बढ़कर 2,700-11,000 रुपये हो जाएगा। खैनी पर शुल्क चार गुना बढ़कर 25 से 100 फीसदी होगा। हुक्का तंबाकू पर यह 25 फीसदी से बढ़कर 40 फीसदी हो जाएगा, जबकि स्मोकिंग मिक्सचर का शुल्क 60 फीसदी से 300 फीसदी तक बढ़ सकता है। अधिकारियों का अनुमान है कि 18 रुपये की सिगरेट की कीमत जल्द ही 72 रुपये तक पहुंच सकती है। सोशल मीडिया पर इस बढ़ोतरी को लेकर प्रतिक्रियाएं अलग-अलग हैं। कुछ धूम्रपान करने वाले इसे स्वागत योग्य मान रहे हैं और इसे छोड़ने की प्रेरणा बता रहे हैं। वहीं कुछ इसे सरकार का अत्यधिक हस्तक्षेप मान रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कीमतों में इतनी वृद्धि से तंबाकू की खपत में कमी आ सकती है, लेकिन गरीब और नियमित उपयोगकर्ताओं पर असर ज्यादा पड़ेगा। इसके साथ ही लोग सस्ते या अवैध विकल्पों की ओर बढ़ सकते हैं।

वैश्विक बाजार में तांबे में रिकॉर्ड उछाल, भारत में भी जोरदार तेजी

नई दिल्ली ।

साल 2025 के अंत में ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में कॉपर (तांबा) ने निवेशकों और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एनएमई) पर कॉपर के दाम लगभग 13,000 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए। दिसंबर महीने में कॉपर की कीमतों में 15 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई, जो सिर्फ एक दिन की तेजी नहीं, बल्कि पूरे महीने की मजबूत रैली का नतीजा है। भारत में भी एमसीएक्स पर कॉपर के भाव 259.30 से 1,348 रुपए प्रति किलो तक पहुंचकर 7.9 फीसदी की तेजी के साथ अपर सर्किट पर लॉक हो गए। इसी तरह निकल में भी लगभग 8 फीसदी की तेजी देखी गई।` हिंदुस्तान कॉपर और माधव कॉपर जैसे स्टॉक्स में 10 फीसदी से 29 फीसदी तक उछाल आया। साल 2025 में कॉपर ने 41.67 फीसदी की कुल बढ़त दर्ज की, जिससे यह साल का सबसे ज्यादा बढ़त देने वाला बेस मेटल बन गया। 2026 के लिए कॉपर का टारगेट 6 डॉलर प्रति पाउंड रखा गया है। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि चीन की मांग में कमी आने पर कीमतों की रफ्तार पर ब्रेक लग सकता है। अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी और चीन की मांग ही भविष्य की कीमतों को तय करेंगे।

चांदी एक घंटे में 21000 रुपये टूटी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद कीमतों में भूचाल

नई दिल्ली।

चांदी की कीमतों में सोमवार को एक घंटे के भीतर ही भारी गिरावट देखने को मिली। एमसीएक्स पर मार्च महीने के फ्यूचर्स एक घंटे में 21,000 रुपये प्रति किलो गिरकर 2,33,120 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गए। यह गिरावट तब आई जब दिन की शुरुआत में ही कीमतें 2,54,174 रुपये के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थीं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सिल्वर की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सोमवार को कीमतें पहली बार 80 डॉलर प्रति औंस के पार चली गईं, लेकिन बाद में लाभ लेने की बिकवाली और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप व यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच शांति वार्ता की खबरों के बीच 75 डॉलर के स्तर से नीचे आ गईं।

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह निवेशकों द्वारा प्रॉफिट बुकिंग और भू-राजनीतिक तनाव में कमी है। यूक्रेन युद्ध में संभावित शांति समझौते की खबरों से सुरक्षित निवेश की मांग कम हो गई। इसके अलावा, वर्ष की शुरुआत से ही चांदी में 181 प्रतिशत की अभूतपूर्व बढ़त भी इस तेज मुनाफावसूली का कारण बनी।

विश्लेषकों का मानना है कि चांदी का ट्रेंड अभी भी सकारात्मक है, लेकिन इसमें उतार-चढ़ाव बना रहेगा। जानकार के मुताबिक, 2.4 लाख रुपये प्रति किलो का स्तर छोटी अवधि का समर्थन है। वहीं, अमेरिकी फर्म ने चेतावनी दी है कि कीमतों में इतनी तेज बढ़त टिकाऊ नहीं है और इसके बाद तेज गिरावट आ सकती है।

रुपया सपाट बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 89.89 पर सपाट बंद हुआ। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्त शुरुआत के बीच सप्ताह के पहले अकारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे टूटकर 89.95 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले इसी स्तर पर खुली, जो इसके पिछले बंद भाव से गिरावट को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 89.90 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। इससे पिछले कुछ महीनों से रुपये पर दबाव बना हुआ है और मुद्रा में स्थिरता नहीं आ पा रही है। वैश्विक स्तर पर छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 98.00 पर रहा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर रुपये की आगे की चाल निर्भर करेगी।

दो हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़ा

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बीते दो हफ्ते में तेजी से बढ़ा है। इस दौरान फॉरेक्स रिजर्व 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आबीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ 1.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। तब कुल रिजर्व 688.94 अरब डॉलर रहा था। यानी इस बार की बढ़त कहीं ज्यादा मजबूत रही। इस हफ्ते फॉरेक्स रिजर्व में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह गोल्ड रिजर्व रहा। एक ही हफ्ते में भारत का सोने का भंडार 2.62 अरब डॉलर बढ़कर 110.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। बीते कुछ महीनों से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर सोने की ओर ज्यादा रुख कर रहे हैं। इसी वजह से गोल्ड की कीमतों में तेजी है। इसका सीधा असर भारत के गोल्ड रिजर्व के मूल्य पर पड़ा है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां यानी फारेन करेंसी एसेट (एफसीए) इस हफ्ते 1.641 अरब डॉलर बढ़कर 559.428 अरब डॉलर हो गईं। ये कुल विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा होती हैं। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, एफसीए में यह बढ़ोतरी सिर्फ डॉलर फ्लो से नहीं होती, बल्कि यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में उतार-चढ़ाव से होने वाले वैल्यूएशन बदलाव भी इसमें शामिल रहते हैं। इस हफ्ते स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में भी हल्की बढ़ोतरी देखने को मिली। एसडीआर 8 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.744 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ भारत की रिजर्व पोजिशन 95 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.782 अरब डॉलर हो गई। विदेशी मुद्रा भंडार वे संपत्तियां होती हैं, जिन्हें किसी देश का केंद्रीय बैंक अपने पास रखता है। इनमें मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर जैसी रिजर्व करेंसी शामिल होती हैं।

नए साल में जेएसडब्ल्यू-एमजी की कारें होंगी महंगी

नई दिल्ली। नए साल में जेएसडब्ल्यू-एमजी मोटर इंडिया ने 1 जनवरी 2026 से अपनी कारों की कीमतों में 2 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने रॉ मटेरियल और ऑपरेशनल कॉस्ट के बढ़ने के कारण इस साल तीसरी बार यह फैसला लिया है। यह बढ़ोतरी कंपनी के सभी मॉडल्स पर अलग-अलग होगी। इससे पहले एमजी ने 1 जुलाई 2025 से अपनी कारों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक और 1 जनवरी 2025 से 3 प्रतिशत तक का इजाफा किया था। तब भी एमजी ने कीमत बढ़ाने की वजह रॉ मटेरियल महंगा होना बताया था। एमजी इंडिया के लाइनअप में वर्तमान में कॉमेट ईवी, हेक्टर, हेक्टर प्लस, एस्टर, ग्लोस्टर, विंडसर ईवी और ऑल-इलेक्ट्रिक झेडएस ईवी शामिल हैं। कीमतों में बढ़ोतरी 2 प्रतिशत तक होगी, जो मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग रहेगी। विंडसर ईवी पर करीब 30,000 से 37,000 रुपए तक बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे नई कीमतें 14.27 लाख से 18.76 लाख (एक्स-शोरूम) होंगी। कॉमेट ईवी पर 10,000 से 20,000 रुपए तक महंगी हो सकती है और कीमतें 7.64 लाख से 10.19 लाख तक पहुंच जाएंगी।

सिल्वर ईटीएफ में जबरदस्त तेजी, निवेशकों को मिला बड़ा रिटर्न

नई दिल्ली । हाल के हफ्तों में भारत के सिल्वर ईटीएफ ने निवेशकों को चौंका दिया है। ग्रो सिल्वर ईटीएफ ने मात्र एक महीने में 52.72 फीसदी का रिटर्न दिया। वहीं टाटा और आईसीआईसीआई सिल्वर ईटीएफ ने क्रमशः 50 और 49.94 फीसदी की तेजी दिखाई। एचडीएफसी, निप्पान, आदित्य बिरला, यूटीआई और एसबीआई के सिल्वर ईटीएफ भी लगभग 49 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। घरेलू बाजार में चांदी का भाव करीब 2.58 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं और सुरक्षित निवेश की मांग के चलते सोने और चांदी दोनों में मजबूती देखने को मिल रही है। सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को फिजिकल चांदी खरीदे बिना रिटर्न का लाभ देते हैं। इनमें स्टोरेज की झंझट नहीं होती और जरूरत पड़ने पर आसानी से बेचा जा सकता है। हालांकि तेज़ी देखने को मिल रही है, लेकिन बाजार में जोखिम हमेशा मौजूद रहता है। मौजूदा ट्रेंड ने सिल्वर ईटीएफ को निवेशकों की नजर में एक मजबूत विकल्प बना दिया है।

अमेरिका में कंपनियों के दिवालियापन के मामले 15 साल के उच्चतम स्तर

ट्रंप प्रशासन की लगातार बदलती टैरिफ नीतियों से आयात हुआ प्रभा वित

नई दिल्ली । 2025 में अमेरिका में कंपनियों के दिवालियापन के मामले 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर के बीच 717 कंपनियों ने चैप्टर 7 या चैप्टर 11 के तहत दिवालियापन के लिए आवेदन किया। यह 2024 की समान अवधि से लगभग 14 फीसदी अधिक है। चैप्टर 11 के तहत कंपनियां अपने कर्जों का पुनर्गठन करती हैं और संचालित रहती हैं, जबकि चैप्टर 7 में कंपनियां बंद हो जाती हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की लगातार बदलती टैरिफ नीतियों ने आयात पर निर्भर व्यवसायों पर भारी दबाव डाला है। कई कंपनियां सप्लाई चेन बाधाओं और बढ़ती लागत के कारण दिवालियापन की ओर बढ़ रही हैं। इसके साथ ही महंगाई और उच्च ब्याज दरें भी कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर दबाव डाल रही हैं। दिवालियापन के मामलों में सबसे अधिक वृद्धि निर्माण, विनिर्माण, परिवहन और रिटेल सेक्टर में देखी गई। कोविड-19 महामारी के बाद से पहली बार इस स्तर के बड़े दिवालियापन मामलों में 1 अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाली कंपनियां शामिल हैं। एट होम और फॉरएवर 21 जैसी रिटेल कंपनियां भी इसमें शामिल हैं। येल यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर के अनुसार, कंपनियां टैरिफ की लागत को ग्राहकों पर डालने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उनकी भी सीमाएं हैं। जो कंपनियां कीमत बढ़ाने में सफल नहीं होतीं, वे बंद होने की कगार पर पहुंच जाती हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 345, निफ्टी 100 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 345.91 अंक फिसलकर 84,695.54 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 100.20 अंक टूटकर 25,942.10 पर बंद हुआ था। आज सबसे अधिक गिरावट आईटी शेयरों में रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.75 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर भी नीचे आये। पीएसयू बैंक, एफएमसीजी और मीडिया के शेयरों में ही तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 313.15 अंक नीचे आकर 60,001.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 127.40 अंक फिसलकर 17,567.70 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एशियन पेंट्स, जोमैटो, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे थे जबकि पावर ग्रिड, ट्रेंट, बीईएल, भारती एयरटेल, एमएंडएम, टीसीएस, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, के शेयरों को नुकसान हुआ। बीएसई के 2,748 शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि 1,568 शेयर उछले। वहीं 196 शेयरो में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह एशियाई शेयर बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 85,004 अंकों पर खुला। वहीं निफ्टी 26,063 अंकों पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 56.50 अंक की गिरावट के साथ 25,985 अंकों पर कारोबार करता नजर आया। सेंसेक्स ने भी शुरुआती बढ़त के बाद कमजोरी दिखाई। सुबह शुरुआत के बाद यह 231.86 अंक गिरकर 84,809.59 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार नए साल 2026 से पहले निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और आगामी आर्थिक आंकड़ों को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशक नए निवेश से फिलहाल दूरी बनाए हुए हैं और बेहतर अवसरों का इंतजार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में वैश्विक बाजारों की दिशा, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भारतीय बाजार की चाल निर्भर करेगी। फिलहाल बाजार में सीमित दायरे में कारोबार और उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। एशियाई शेयर बाजार~ एशियाई शेयर बाजार सोमवार को छह हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गए। जबकि डॉलर लगभग तीन महीने के निचले स्तर के पास बना रहा। इसकी वजह यह उम्मीद है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले साल ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, जिससे कीमती मेटल में भी जोरदार तेजी देखने को मिली है। दक्षिण कोरिया का कोस्पी (इंडेक्स 1.5 फीसदी चढ़कर लगभग दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं जापान का निक्केई 0.4 फीसदी फिसला, जबकि ताइवान का शेयर बाजार 0.3 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।

निवेशकों को नया विकल्पः अप्रैल 2026 से शुरू होगा स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड

मुंबई ।

भारत में निवेशकों के लिए अप्रैल 2026 से नया निवेश विकल्प स्पेशलाइज्ड इवेंस्टमेंट फंड (एसआईएफ) पेश किया जाएगा। सेबी ने पारंपरिक म्यूचुअल फंड, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफएस) के बीच की खाली जगह को भरने के लिए मंजूरी दी है। एसआईएफ मुख्य रूप से उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख रुपये तक का निवेश कर सकते हैं, लेकिन एआईएफ या पीएमएस के लिए आवश्यक बड़ी रकम नहीं लगाना चाहते।

वर्तमान में, म्यूचुअल फंड छोटे निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं, जहां एसआईपी के जरिए 500 या 1,000 रुपये से निवेश शुरू हो सकता है। वहीं, एआईएफ उच्च जोखिम वाले फंड होते हैं, जो स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, निजी कंपनियां और हेज फंड जैसी गैर-पारंपरिक संपत्तियों में निवेश करते हैं। इनमें न्यूनतम निवेश करीब 1 करोड़ रुपये होता है और ये मुख्य रूप से उच्च नेटवर्थ निवेशकों के लिए होते हैं।

पीएमएस में निवेशक का पैसा एक पेशेवर पोर्टफोलियो मैनेजर संभालता है, जिसमें करीब 50 लाख रुपये निवेश करना जरूरी होता है। लेकिन सेबी का नया एसआईएफ इन दोनों विकल्पों के बीच का सेतु है।

यह लंबी अवधि के लिए एडवांस निवेश रणनीतियों जैसे इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट, डेट लॉन्ग-शॉर्ट, सेक्टोरल डेट लॉन्ग-शॉर्ट, एक्टिव एसेट एलोकेशन और हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट में निवेश कर सकता है। एसआईएफ म्यूचुअल फंड की तरह ही निवेशकों को एसआईपी, एसडब्ल्यूपी और एसटीपी की सुविधा भी देगा। हालांकि, इसका एंट्री टिकट 10 लाख रुपये है, लेकिन एक बार यह राशि जमा हो जाने के बाद निवेशक केवल 10,000 रुपये से एसआईपी, एसटीपी या एसडब्ल्यूएस शुरू कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, एसआईएफ उन निवेशकों के लिए आदर्श विकल्प है जो जोखिम समझते हैं, लंबी अवधि के निवेश की योजना बनाते हैं और म्यूचुअल फंड से एक कदम आगे बढ़ना चाहते हैं,

लेकिन एआईएफ या पीएमएस की ऊंची शुरुआती राशि से बचना चाहते हैं। यह नया फंड मध्यम और समझदार निवेशकों को पेशेवर निवेश रणनीतियों का लाभ उठाने का मौका देगा, जिससे वे पारंपरिक निवेश विकल्पों के साथ-साथ अधिक लचीले और उच्च रिटर्न वाले विकल्पों का आनंद ले सकेंगे।

डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

- नए निर्गम और शेयर बिक्री के संयोजन से जुटाई जाएगी पूंजी

नई दिल्ली ।

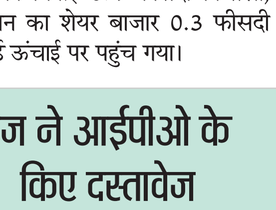

डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का आईपीओ 375 करोड़ के नए निर्गम और 43.28 लाख शेयर की बिक्री (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त धनराशि का उपयोग अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने, 'बेल कूलिंग टावर्स' में शेष 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने और सामान्य कॉर्पोरेट कामों में किया जाएगा। डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज पर्यावरण इंजीनियरिंग और तकनीकी समाधान प्रदान करने वाली कंपनी है। यह जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन के क्षेत्र में औद्योगिक और नगरपालिका ग्राहकों को सेवाएं देती है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 30 दिसंबर 2025
Www.vishalindia.in

मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव

टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए साल के मौके पर खास कार्यक्रम देखने को मिलते हैं। इस बार भी जीटीवी ने दर्शकों के लिए खास कार्यक्रम जी रिश्तों का मेला 2025 आयोजित किया है। इस बार इस खास शो को होस्ट करने की जिम्मेदारी टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्रद्धा आर्या को मिली, जिन्हें दर्शक उनके हिट शो कुंडली भाग्य में प्रीता के किरदार से जानते हैं। उनके साथ अभिनेता जय भानुशाली भी होंगे, जो उनका साथ देंगे। श्रद्धा आर्या ने अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे यह अनुभव ऐसा लगा, जैसे एक बड़ा उत्सव हो, जिसमें प्यार और अपनापन भरा हो। शो होस्ट करना मेरे लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक खुशी और उत्साह से भरा अनुभव था। कार्यक्रम के दौरान मैंने न सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उनके साथ अपने जुड़ाव को भी महसूस किया। वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हुए श्रद्धा ने कहा, मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। कई बार शूटिंग के दौरान मुझे बच्चों की बहुत याद आती है और कभी-कभी यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी लगता है। काम के दौरान दिल का एक हिस्सा हमेशा बच्चों के साथ रहता है। लेकिन, जब मैं काम खत्म करके घर लौटती हूं और बच्चे मुझे गले लगाते हैं, तो सारी थकान और मुश्किलें तुरंत दूर हो जाती हैं।

श्रद्धा ने बताया कि उनके लिए यह सब थोड़ा आसान रहा, क्योंकि उन्हें घर और सेट दोनों जगह बहुत समर्थन मिला। उनके परिवार ने हमेशा उन्हें समझा और टीम ने भी उनके समय और जिम्मेदारियों का सम्मान किया। इस सहयोग के कारण वह अपने काम में सहज महसूस कर पाई। उन्होंने कहा, जीटीवी की टीम के साथ शूटिंग करना हमेशा आसान और मजेदार रहा है। टीम मेहनत और समय का सम्मान करती है, जिससे मुझे काम में आराम मिलता है और प्रदर्शन भी बेहतर होता है।

जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करने के बारे में श्रद्धा ने कहा, नए साल का स्वागत करना और इस खास मौके पर दर्शकों के साथ जुड़ना एक बड़े उत्सव जैसा महसूस हुआ। शो में प्यार, यादें और अपनापन साफ दिखता है। सेट पर काम करते समय लोग मुझे अब भी प्रीता के नाम से बुलाते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे कुंडली भाग्य अभी भी चल रहा है और मैं रोज शूटिंग कर रही हूं।

सहर बंबा ने साझा किए बीते 25 सालों में पांच सबसे यादगार पल

सिनेमा की दुनिया में जब भी किसी कलाकार के नाम का जिक्र होता है, तो दर्शक उन्हें उनके सफर और अनुभवों से याद करते हैं। इस कड़ी में फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की एक्ट्रेस सहर बंबा ने बातचीत में बताया कि 2000 से 2025 तक उनके जीवन के पांच सबसे यादगार पल कौन-कौन से रहे। सहर ने कहा कि सबसे यादगार पलों की शुरुआत उस दिन से होती है जब उन्होंने फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के ट्रेलर लॉन्च पर शाहरुख खान के साथ स्टेज साझा किया और उनके साथ डांस किया। सहर ने कहा, 'यह सिर्फ एक फैन मोमेंट नहीं था, बल्कि एक जरिया था यह याद दिलाने का कि मुझे सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। यह पल मेरे लिए सपना सच होने जैसा था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।' दूसरे सबसे यादगार पल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए दूसरा सबसे यादगार पल वह था जब मुझे आर्यन खान ने खुद कॉल करके बताया कि वह शो का हिस्सा बन गई हैं। इस कॉल ने मेरी जिंदगी बदल दी। मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि मैं किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुनी गई हूं। यह कॉल उनके मुझपर भरोसा किए जाने के बारे में था। सहर ने बताया, ''तीसरा यादगार पल था, जब मैंने पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर सेट पर कदम रखा। उस समय मुझे कोई बाहरीपन महसूस नहीं हुआ, ऐसा लगा जैसे मेरा सेट से कोई खास जुड़ाव हैं। मैं कहानी को पूरी तरह से निभाने और पेशेवर रूप से काम करने के लिए तैयार थी। यह एहसास मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। चौथे सबसे खास पल की बात करते हुए उन्होंने कहा, 'चौथा खास पल परिवार से जुड़ा हुआ है। अपने परिवार का अपने ऊपर गर्व देखकर मैं इमोशनल हो गई थी। जब परिवार के सदस्यों ने मेरी मेहनत और सफर को देखा, तो वह मुझ पर गर्वित हुए। मेरा परिवार हमेशा सबसे बड़ा सहारा और प्रेरणा रहा है। पांचवां और आखिरी महत्वपूर्ण पल था सहर के लिए एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान पाना। उन्होंने कहा, 'मैंने एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। कब 'ना' कहना है, धैर्य रखना है, और समय पर भरोसा करना है, यह मैंने सीख लिया है। यह अंदरूनी बदलाव मेरे लिए किसी बाहरी सफलता जितना ही महत्वपूर्ण है।

अब केवल हिट फिल्म में नहीं, बल्कि सराहना में भी छिपी है कामयाबी

भारतीय फिल्म और वेब इंडस्ट्री पिछले कुछ दशकों में बहुत बदल चुकी है। खासकर महिला कलाकारों के लिए अब नए मौके खुले हैं, जो पहले शायद सिर्फ सीमित तरह के रोल तक ही सिमटकर रह जाते थे। इसी बदलाव और अपनी व्यक्तिगत यात्रा को लेकर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी यात्रा में बदलाव आए। श्वेता ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसे लोगों के साथ और कहानियों में काम किया है, जिन्होंने मुझे नए तरीके से सोचने और महसूस करने का मौका दिया है। मैं हमेशा रूढ़िवादी सोच को चुनौती देने में भरोसा करती हूं। पहले फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए अवसर और रोल सीमित होते थे। हीरोइन या महिला कलाकार का रूप और किरदार अक्सर तय ही होता था। लेकिन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, नए क्रिएटर्स, और दर्शकों की बदलती सोच ने कहानी कहने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। श्वेता ने इस बदलाव में दर्शकों की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, सिर्फ कहानीकार ही बदलाव नहीं लाते, बल्कि दर्शक भी इसमें अपना अहम योगदान देते हैं। जब दर्शक इन नई कहानियों का समर्थन करते हैं, उन्हें अपनाते हैं, किरदारों और कहानियों को पसंद करते हैं और सराहना देते हैं, तब कलाकारों को प्रयोग करने का हौसला मिलता है। आज के समय में कलाकारों के पास ज्यादा जगह है कि वे नए अनुभव लें और अपने करियर की दिशा खुद तय करें।

अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में श्वेता ने बताया, इंडस्ट्री ने मुझे धैर्य रखना सिखाया और आत्मविश्वास को बढ़ाया। सफलता अब सिर्फ एक ही रूप में नहीं देखी जाती। पहले यह माना जाता था कि एक कलाकार को सिर्फ बड़े नाम और बॉक्स ऑफिस हिट चाहिए। लेकिन, आज सफलता की परिभाषा बदल गई है और ये सभी के लिए अलग-अलग हो सकती है। जब आप अच्छा काम करते हैं और वह सराहा जाता है, तो यह आपको एक खास तरह की ताकत देता है। श्वेता ने कहा, करियर में अब तक के अलग-अलग किरदार और कहानियां मेरे लिए हमेशा यादगार रहे हैं। सभी किरदारों ने मुझे अलग तरह से सोचने और महसूस करने का मौका दिया। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसा प्रोफेशन मिला, जो मुझे नए तरीके से देखने और समझने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री में महिलाओं की जगह और उनकी आवाज पहले की तुलना में बहुत मजबूत हो गई है। अब न केवल बड़े स्टार्स बल्कि छोटे और नए कलाकार भी अपनी पहचान बना सकते हैं, साथ ही दर्शकों के साथ सीधे जुड़ सकते हैं। यह बदलाव अवसर के साथ-साथ रचनात्मक स्वतंत्रता भी देता है।

नागिन 7 में प्रियंका चाहर चौधरी के साथ नजर आएंगे साहिल उप्पल

छोटे पर्दे की क्वीन एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल नागिन का सातवां सीजन शुरू होने वाला है। इसकी प्रीमियर डेट नजदीक आ रही है। इसी के साथ कास्ट को लेकर भी नई-नई अपडेट आ रही हैं। शो में लीड रोल एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी अदा करेंगी। उनके साथ एक लोकप्रिय एक्टर की शो में एंट्री हुई है। शो से साहिल उप्पल जुड़ गए हैं। रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' और 'उडारियां' जैसे शोज में काम कर चुकीं प्रियंका चाहर चौधरी नागिन 7 में लीड रोल अदा करेंगी। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो में साहिल उप्पल लीड रोल में नजर आएंगे।

ये सितारे भी होंगे शो का हिस्सा

प्रियंका चाहर, नमिक पॉल और साहिल उप्पल के अलावा नागिन 7 में ईशा सिंह, विहान वर्मा, रिब्बू मेहरा, कुशाग्र दुआ, प्रतीक्षा राय, निवेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी भी अहम भूमिका अदा करते दिखेंगे। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रहे इस शो को लेकर दर्शक भी उत्साहित हैं।

आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड में अक्सर एक्ट्रेसेस की तुलना की खबरें आती रहती हैं। अक्सर कहा जाता है कि इस दो एक्ट्रेसेस के बीच नंबर वन बनने की रेस लगी रहती है। श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट ये वो दो हीरोइनें हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में कदम लगभग एक साथ ही रखा था लेकिन ये डिबेट अक्सर होती है कि आलिया को ज्यादा मौके दिए गए और श्रद्धा को कहीं ना कहीं साइडलाइन करने की कोशिश की गई। अब लीजिए इस पर श्रद्धा कपूर के पापा शक्ति कपूर ने शॉकिंग खुलासा किया है।

आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

दरअसल हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर के पापा ने खुलकर इस सब पर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने बताया है कि, आलिया भट्ट भले ही ज्यादा फिल्में कर रही हों, या उन्हें ज्यादा मौके मिल रहे हों, लेकिन श्रद्धा कपूर फिर भी आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं। उन्होंने इसमें अनन्या पांडे का भी जिक्र किया है। शक्ति कपूर ने हाल ही में पॉडकास्ट द पावरफुल ह्यूमन्स में बात करते हुए श्रद्धा को आलिया-अनन्या पांडे से कंपेयर करने पर सवाल किया गया और पूछा गया कि श्रद्धा वाकई में कम फिल्में करती हैं या उन्हें ऑफर्स कम मिलते हैं तो इस पर उन्होंने कहा कि, मैं सच कहूं तो वो फिल्में ही कम करती है। जो सबसे अच्छी होती हैं, वही फिल्म वो करती है, पर पैसा ज्यादा लेती है। इन सबसे ज्यादा पैसा लेती है। वह साल में सिर्फ एक या दो ही फिल्में करती है।

क्या श्रद्धा को सच में मिल रहीं कम फिल्में?

शक्ति कपूर ने यहां इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया। उनके मुताबिक, भले ही श्रद्धा कम फिल्में करती हों, लेकिन आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं। वहीं शक्ति से पूछा गया कि ऐसी खबरें आती हैं कि, श्रद्धा को उतना काम नहीं मिल रहा है तो इस पर वो हंसते हुए कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि, 'क्या सच में उसे काम नहीं मिल रहा है?

मैं कर्जत में खेती करके खुश थी, सोचा लिया था उनकी शक्ल नहीं देखूंगी

एक दशक पहले छोटे पर्दे के चर्चित कॉमिडी शो भाभी जी घर पर हैं ने जिस एक किरदार को सबसे अधिक पॉपुलर बनाया, वो है अंगूरी भाभी का। सही पकड़े हैं जैसे तकिया कलाम से एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने इस किरदार में जान डाल दी। दर्शक उनके मुरीद हो गए। लेकिन 2016 में फैंस को तब झटका लगा जब शिल्पा ने भारी विवादों के बीच शो छोड़ने का फैसला कर लिया। तब उनके और शो के मेकर्स के बीच आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर भी चला। जाहिर है, ऐसे में किसी ने नहीं सोचा था कि शिल्पा कभी दोबारा अंगूरी भाभी बनकर लौटेंगी। लेकिन वक्त बदला, कड़वाहट कम हुई और अब वह फिर से भाभी जी घर पर हैं 2.0 में लौट आई हैं।

शो में अपनी वापसी के बारे में शिल्पा शिंदे कहती हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह शो वापस करूंगी। मैंने तो संतोष कर लिया था कि चलो जिंदगी में जो हुआ, वो हुआ। लेकिन असल में, हमारे शो के जो राइटर हैं मनोज संतोषी जी, यह किरदार उनका बच्चा था। उन्होंने अंगूरी भाभी को जन्म दिया था। वह अक्सर मुझे फोन करते रहते थे। पूछते भी थे कि क्या मैं वापस आऊंगी, मगर मैं टाल जाती थी। शिल्पा ने बताया कि वह मनोज के कारण ही शो में लौटी हैं।

मैं मनोज जी के लिए लौटी हूं

एक्ट्रेस ने आगे बताया, पिछले साल दिसंबर में मनोज संतोषी जी की तबीयत खराब हो गई, तब मैं उनके संपर्क में थी। जो भी संभव हुआ, मैंने किया। उनके साथ हॉस्पिटल में रही। मेरी पूरी कोशिश थी कि मैं मनोज जी को बचाऊं, मगर नहीं बचा पाई। उनका लिवर ट्रांसप्लांट होना था, पर वे नहीं बच पाए। उस दौरान जब शो से जुड़े सब लोग मिले तो एक अलग बॉन्डिंग हो गई। जब मेकर्स ने मुझे पूछा तो मैंने पहले मना ही किया। फिर आसिफ शेख जी ने कहा कि मनोज जी बहुत खुश होंगे तो मैंने उनके लिए और ऑडियंस जिसने हमेशा मुझे प्यार दिया, उनके लिए यह शो किया।

उन इल्जामों में सच्चाई नहीं

शिल्पा ने 2016 में जब शो छोड़ा था, तब मेकर्स ने जहां उन्हें कानूनी नोटिस भेजा था, वहीं उन्होंने भी मेकर्स पर सेक्सुअल हरैसमेंट के आरोप लगाते हुए स्त्र्क्ख्रदर्ज करवाई थी। इतनी तल्खी के बाद शो में वापसी को लेकर कोई डर था? इसके जवाब में वह कहती हैं उस वक्त हम दोनों के बीच एक तीसरा व्यक्ति था और जब भी कोई तीसरा घुसता है तो बहुत सारी गलतफहमी क्रिएट होती है और रिश्ता टूट जाता है। हमारे साथ भी वही हुआ था। जहां तक इल्जाम लगाने की बात थी तो मैंने महाभारत के सीख लेते हुए जैसे को तैसा वाली चीज की थी, क्योंकि मुझ पर अनप्रफेशनल होने, शो को खराब करने जैसे इल्जाम लगाए जा रहे थे। मुझे काम करने से रोका जा रहा था। ऐसे में मेरे पास कोई रास्ता नहीं था, लेकिन हकीकत सबको पता है।

मेरा टीवी से मन उठ गया था

शिल्पा शिंदे भाभी जी घर पर हैं से फेमस हुईं। बाद में बिग बॉस 13 की विनर भी बनीं। इसके बावजूद उन्होंने झलक दिखला जा के अलावा कोई और शो नहीं किया। इस बारे में वह बताती हैं, मेरा टीवी से मन उठ गया था। मुझ पर जिस तरह इल्जाम लगाए गए, काम नहीं करने दिया गया तो मेरी सोच भी ऐसी थी कि भाड़ में जाओ। आपकी वजह से मेरी रोजी रोटी नहीं चल रही है। मैंने तो लिखकर रखा था कि बिग बॉस के बाद छह महीने तक जो मेरे साथ काम करने आएंगे, उनकी जिंदगी में शक्ल नहीं देखूंगी (हंसती हैं)। मेरी ये सोच थी कि मुझे इन लोगों के साथ काम नहीं करना है जो बिग बॉस की सफलता के बाद मेरे पास आए। उसके अलावा, जो ऑफर आए वो इतने अच्छे नहीं थे कि उन्हें करने का मन करे।

मैं तो खेती करके खुश थी

बकौल शिल्पा, मैंने तो टीवी इंडस्ट्री को टाटा-बाय बोल दिया है। मैं बहुत अलग दुनिया में जा चुकी हूं। मैं कर्जत में जैसे गांव में रहते हैं, खेती करते हैं, वैसे रहती हूं। मैंने मुंबई लगभग छोड़ दिया है। मैंने पहले लॉकडाउन के दौरान कर्जत में कुछ जमीन ली थी। वहां मैंने अपना बंगला बनाया है। फिर रिवरसाइड पर और जमीन ली, जहां मैं बहुत प्यारा सा विंटेज रिसॉर्ट जैसा बना रही हूं। मैं खुद ही उसकी इंजीनियर, आर्किटेक्ट सब हूं, तो उसमें बिजी रहती हूं। मैं वहां ऑर्गेनिक फार्मिंग कर रही हूं तो मैं अपनी जिंदगी में काफी संतुष्ट हूं। वरना ये ग्लैमर, पैसा और बाकी चीजों की चाह तो अंतहीन हैं। पैसा जितना भी कमाओ कम पड़ता है लेकिन एक ठहराव जरूरी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in